भोपाल, मंगलवार
04 मार्च 2025
दैनिक मध्य स्वर्णिम
सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...
यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com
वर्ष - 12 अंक-187 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

@खबर संक्षेप

मप्र से 7000 ईवीएम भेजा जाएगा जम्मू कश्मीर

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कांफ्रेंस के तीसरे दिन मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एम ओ यू किया गया। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया को सशक्त करने में हेल्प करेगा। नेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने प्रेजेंटेशन दिया। पेंच नेशनल पार्क सिवनी में आयोजित कार्यक्रम में एम ओ यू के तहत मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू और कश्मीर में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव में 7 हजार ईवीएम और अन्य उपकरण उपलब्ध कराएगा। साथ ही पोलिंग स्टाफ को ट्रेनिंग भी दिलाएगा। मध्य प्रदेश में किए गए नवाचारों को जम्मू और कश्मीर में लागू करवाने के लिए प्रयास करेगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित बूथों पर पेपर लेस बूथ की प्रक्रिया अपनाने में मदद करेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में एम ओ यू में सचिव मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह और सचिव जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग सुशील कुमार ने हस्ताक्षर किए। देश मे सुगम, सुविधाजनक पारदर्शी निर्वाचन कराने में ईवीएम, सॉफ्टवेयर सहित अन्य सपोर्ट उपलब्ध कराने वाले संस्थान इलेक्ट्रानिक्स कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआईटी लिमिटेड बेंगलुरु के प्रतिनिधियों द्वारा राज्य निर्वाचन आयुक्तों के समक्ष निर्वाचन में किये जा रहे अनुसंधानों के बारे में अपना प्रेजेंटेशन दिया। विशेष रूप से नवीन एस-3 ईव्हीएम, इलेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग की कार्य विधि और लाभ को रेखांकित किया। इसी तरह पोलिंग एवं काउंटिंग में उपयोग होने वाले विभिन्न एप्लीकेशन के संबंध में आईएनसीटी चेन्नई के सीईओ गजपति ने प्रेजेंटेशन दिया।

पीथमपुर आकर यूनियन कार्बाइड का कचरा हो रहा राख

इंदौर। यूनियन कार्बाइड का कचरा इंदौर के पीथमपुर में जलाया जा रहा है। यह काम हाईकोर्ट के आदेश पर हो रहा है। यका के इस कचरे को रामकी कंपनी द्वारा नष्ट किया जा रहा है। 3 दिन में लगभग 10 टन कचरा जलाया जा रहा है। ये पहला चरण 27 फरवरी से 3 मार्च तक चल रहा है। 6.7 टन कचरा जल चुका था। यह काम सोमवार को पूरा हो जाएगा। इसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हाईकोर्ट को रिपोर्ट देगा। इस रिपोर्ट में पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया जाएगा।आखिरकार भोपाल गैस कांड के जहरीले कचरे को नष्ट करने का काम पीथमपुर में शुरू हो गया है। पर इसे शुरूआत में विरोध का सामना करना पड़ा था। हाईकोर्ट के निर्देश पर यह काम किया जा रहा है। 1984 में यूनियन कार्बाइड ने भोपाल के कई लोगों को हमेशा के लिए सुला दिया था।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होना बड़ी उपलब्धि

इन्वेस्टर समिट की उपलब्धियों के बाद सीएम की पहली समीक्षा

प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का कारवां निरंतर जारी रहेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में पहली बार हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन बेहतर टीमवर्क और समन्वय से संभव हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के साथ ही बड़ी संख्या में विदेशी राजनायिकों, वाणिज्यिक प्रतिनिधियों और देश के प्रमुख औद्योगिक समूह के प्रतिनिधियों के एक साथ आगमन और जीआईएस में सहभागिता का प्रबंध चुनौती पूर्ण था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सुप्रबंधन का पर्याय बनी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीआईएस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारियों और टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा। प्रदेश में उद्योगों के लिए विद्यमान बेहतर अधोसंरचना और निवेश वातावरण के परिणामस्वरूप उद्योग समूह त्वरित रूप से अपनी गतिविधियों का विस्तार कर रहे हैं। अगले सप्ताह 850 करोड़ रूपए के निवेश से स्थापित होने वाली नीमच सौर परियोजना की आधारशिला रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समिट में कुल 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 21 लाख 40 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीआईएस में 25 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की। इसमें 9 पार्टनर कंट्री और 60 से अधिक देशों से 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेट शामिल हुए। जीआईएस में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और उद्योगों की भागीदारी रही। जीआईएस में 10 सेक्टरल सत्र, 6 कंट्री सेशंस, 6 समिट, 70 से अधिक वन-टू-वन बैठकें, 5 हजार से अधिक बी-टू-बी मीटिंग और 600 से अधिक बी-टू-जी मीटिंग्स संपन्न हुईं।

इन क्षेत्रों में मिले निवेश के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विभिन्न सेक्टरों में बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा में 8 लाख 94 हजार 301 करोड़ निवेश के 441 प्रस्ताव, इंफ्रास्ट्रक्चर में 3 लाख 37 हजार 329 करोड़ रूपए निवेश के 870 प्रस्ताव, खनन और खनिज क्षेत्र में 3 लाख 25 हजार 321 करोड़ रूपए के 378 निवेश के प्रस्ताव, रक्षा-विमानन और एयरोस्पेस में 3 लाख 01 हजार 681 करोड़ के 8 प्रस्ताव और पेट्रोकेमिकल्स-रसायन-प्लास्टिक व संबद्ध क्षेत्र में 1 लाख 4 हजार 158 करोड़ रूपए निवेश के 237 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।इसी प्रकार आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स आदि में 78 हजार 314 करोड़ रूपए के 193 प्रस्ताव, पर्यटन तथा हॉस्पिटेलिटी में 68 हजार 824 करोड़ रूपए के 303 प्रस्ताव, कृषि और खाद्य प्र-संस्करण में 63 हजार 383 करोड़ रूपए के 957 प्रस्ताव, शिक्षा में 52 हजार 294 करोड़ रूपए के 191 प्रस्ताव, हेल्थ केयर, फार्मा और चिकित्सा उपकरण के लिए 41 हजार 986 करोड़ रूपए के 345 प्रस्ताव, ऑटोमोबाइल क्षेत्र में 41 हजार 590 करोड़ रूपए के 349 प्रस्ताव, इंजीनियरिंग क्षेत्र के 26 हजार 277 करोड़ रूपए के 203 प्रस्ताव, कपड़ा-टेक्सटाइल और परिधान क्षेत्र में 21 हजार 833 करोड़ रूपए के 171 प्रस्ताव, लॉजिस्टिक्स और वेयर हाऊसिंग से संबंधित 9 हजार 112 करोड़ रूपए के 67 प्रस्ताव, पैकेजिंग क्षेत्र में 1 हजार 697 करोड़ रूपए के 51 प्रस्ताव तथा अन्य क्षेत्रों में 83 हजार 720 करोड़ रूपए के 1 हजार 96 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

राष्ट्र निर्माण में संतों की भूमिका महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन-मृत्यु व्यक्ति के हाथ में नहीं है, लेकिन संत लोगों को धर्म की राह दिखाकर सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर उनके जीवन को सार्थक बनाते हैं। सांस्कृतिक, धार्मिक मूल्यों की स्थापना तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में संतों और गुरुओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज कुबेरेश्वर धाम सीहोर में आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में शामिल होकर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पं. प्रदीप मिश्रा जी लोगों में ईश्वर के प्रति आस्था और भक्ति जागृत कर लोगों का धार्मिक, आध्यात्मिक उत्थान कर रहे है। उन्होंने कहा कि पं. मिश्रा ने भोपाल के निकट सीहोर में कुबेरेश्वर धाम की स्थापना कर इस क्षेत्र को एक नई धार्मिक पहचान दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सौ से अधिक देशों में भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और सबसे बड़े देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज कुंभ में गगा स्नान कर देश की सनातन संस्कृति के प्रति देशवासियों की अटूट आस्था का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार को सभी संतो का मार्गदर्शन मिला है। समय-समय पर हम और हमारी सरकार उनसे कई अवसरों पर विचार-विमर्श भी करती है। संतो से हमें सरकार चलाने का नैतिक बल मिलता है जिससे हम अधिक मजबूती के साथ प्रदेश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

किससे मांगने जाएं सब यहां भिखारी हैं!

*'जिंदगी के मंडप में हर खुशी कुंवारी है, किससे मांगने जाएं सब भिखारी हैं', मनहर उदास की गायिकी की लाइन यूं ही याद इसलिए आ गई कि इन दिनों प्रदेश में 'भिखारी शब्द पर जोरदार हंगामा मचा है। **क्या अपेक्षा और भिक्षा में फर्क नहीं होना चाहिए ?** अटल जी को राजनीति में अपना आराध्य मानने वाले, देश के तब के सबसे युवा सांसद (**जो बागी होकर पार्टी लाइन के विपरीत चुनाव लड़े और जीतकर फिर भाजपा में शामिल हुए**) पूर्व केंद्रीय मंत्री, वर्तमान में प्रदेश के कद्दावर राजनेता प्रहलाद सिंह पटेल यदि अपेक्षा को भिक्षा समझते हैं, तो शायद एक बहुत बड़ा वर्ग उनकी इस सुधारवादी सोच से शायद ही इत्तेफाक रखता होगा।ये तो सरासर जनादेश का अपमान ही है। प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता में से हो सकता है बहुत बड़े वर्ग ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया हो। फिर भी जितने लोगों ने वोट दिया(सत्ता के पक्ष में या सत्ता के खिलाफ) क्या वो सभी भिखारी हैं ? राजनैतिक दल अपने घोषणा पत्र/संकल्प पत्र जारी इन्हीं भिखारियों (मतदाताओं) से वोट लेने के लिए ही तो करती हैं। फिर वो घोषणा पत्र जिसमें अपेक्षाओं को पूर्ण करने का वादा होता और सरकारें प्रगति रिपोर्ट सौंपती हैं, वो छलावा होता है ? **गोस्वामी तुलसी दास ने श्रीराम चरित मानस में लिखा है -'समरथ को नहीं दोष गुंसाई'** प्रहलाद पटेल अब राजनीती में सामर्थ्यवान, कद्दावर नेता हो चुके हैं, लिहाजा वो ऐसा कह सकते हैं। अन्यथा तो बचपन में मैंने नरसिंहपुर की दीवारों पर लिखा पढ़ा है-'**आजादी के दीवानों तुम आजादी को आजाद करो ,हिरणाकश्यप से लड़ना है तो हर घर पैदा प्रहलाद करो**। क्या तब ये अपेक्षा भी भिखमंगी थी ? दरअसल, इस बयान के बाद जो प्रति उत्तर के रूप में माननीय प्रहलाद पटेल का स्पष्टीकरण था, वो भी बेमेल ही लग रहा है। आप लोधी-लोधा समाज के सर्वस्वीकार्य राजनेता हैं। लिहाजा समाज के हर वर्ग की अपेक्षा आपकी तरफ है। प्रहलाद जी या कोई और भी जो कुछ देने की स्थिति में होता है उससे व्यक्ति की समाज की अपेक्षा हो ही जाती है। इसे भिखारी जैसे शब्द से अलंकृत करना अपमान ही है। नरसिंहपुर विधानसभा की जनता से जब आप वोट मांगने निकले तब आपने जनता से परिवर्तन का वादा किया होगा, बदले में अपेक्षा के साथ आपकी समाज के अलावा भी अन्य वर्ग ने प्रचंड जनादेश देकर आपको जीत दिलाई। विकास (व्यक्तिगत/सामाजिक) की अपेक्षा के साथ आवेदन देना भिक्षुक की श्रेणी में कैसे हो सकता है ? प्रहलाद जी भले अपने इस विचार को समाज सुधार के नजरिए से व्यक्तिगत बताएं, समाज के बीच अलख जगाने के लिए प्रेरणादायक भी कहें, लेकिन यह भी सच है कि आज भी बहुसंख्य याचक ही है, फिर भले ही आप उसे भिखारी ही क्यों न कह दें ? फिर अंग्रेजी में एक लाइन है **'beggars can't be choosers'** लेकिन यहां पर भिखारियों को चयन करने की स्वतंत्रता है।लेकिन उन्होंने आपको फिर इसलिए चुना कि आप देश की राष्ट्रभक्त पार्टी के संस्कारित, विवेकशील, परमार्थी व्यक्ति हैं जो संघ और पार्टी की दीनदयाल उपाध्याय जी विचारधारा से ओतप्रोत थे। जहां अंतिम व्यक्ति तक रामराज्य का भाव प्रवाहित करना है, यदि समाज का तबका इस भाव से याचना कर रहा है तो वो भिक्षुक नहीं अपितु अपना हक़ मांग रहा है, भले ही आप की नजरों में वो भिखारी हो। फिर आप तो श्री बाबा श्री के 'संकल्प में विकल्प नहीं होता' के सूत्र वाक्य को जीवन में उतारते हैं। **लिहाजा संकल्प कीजिये कि बिना मांगे ही सब को उसका अधिकार मिल जाए। पंचायत राज व्यवस्था में सचिव से लेकर सीईओ तक बिना मांगे काम नहीं हो पा रहा है उसको रोकने का सामर्थ्य दिखाइए, क्योंकि सर्वाधिक भिखारी तो आपके विभाग में ही चिन्हित हैं।** ऐसा न हो कि, 'पर उपदेश कुशल बहुतेर' की तर्ज पर आप जैसे गंभीर राजनेता के इस बयान को उपहास का विषय बना लिया जाए। अपेक्षा, उपेक्षा और भिक्षा ये तीनों अलग-अलग शब्द हैं, शायद अपेक्षा और भिक्षा में जमीन आसमान का अंतर भी है।किसी अज्ञात की दो पंक्ति -*

खुद पर ही खुद के फैसले, अब भारी हो गए
कल तलक था सब कुछ, अब भिखारी हो गए।

मध्य स्वर्णिम प्रसंगवश

सुनील दत्त तिवारी
मो. 9713289999

मंत्री पटेल के बयान पर भड़के कांग्रेसी 5 मार्च को करेंगे आंदोलन

मैंने पहले भी कहा है और भविष्य में कहता रहूंगा : प्रह्लाद पटेल

जबलपुर। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कांग्रेस नेता जीतू पटवारी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि, 'मैं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को सुझाव दूंगा कि वे मेरे नेतृत्व को देखते हुए मुझसे और मेरी पार्टी से अपने किए के लिए माफी मांगें। मंत्री पटेल ने जबलपुर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से माफी की मांग की और कहा कि उनका बयान संदर्भ से बाहर ले जाकर पेश किया गया है। पटेल ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने यह बात अपने स्वजातीय समुदाय के बीच कही थी, जो वह वर्षों से कहते आ रहे हैं और आगे भी कहते रहेंगे। पटेल ने जोर देकर कहा, 'इस बयान को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है, जबकि यह सिर्फ एक सामाजिक चर्चा का हिस्सा था।जिस कार्यक्रम में मेरा यह वक्तव्य है उस कार्यक्रम में भाजपा ही नहीं बल्कि कांग्रेस के लोग भी थे। निजी तौर पर यह मेरा बयान है और मेरे स्वजनों से किया गया मेरा संवाद है। जिस भी मीडिया संस्था ने यह बात उठाई वह उनके साथ वाला मीडिया ग्रुप है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।' कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी टिप्पणी के कारण चर्चा का केंद्र बन गए, जिसमें उन्होंने जनता के लिए 'भिखारी' शब्द का इस्तेमाल किया था। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस टिप्पणी को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा था। पटेल एक वीडियो में कहते सुनाई दे रहे -अब तो सरकार से भीख मांगने की आदत लोगों को पड़ गई है। नेता आते हैं, एक टोकना (टोकरी) तो कागज मिलते हैं उनको। मंच पर माला पहनाएंगे और एक पत्र पकड़ा देंगे। यह अच्छी आदत नहीं है। लेने की बजाय देने का मानस बनाएं। मैं दावे से कहता हूं आप सुखी होंगे। और एक संस्कारवान समाज को खड़ा करेंगे। यह भिखारी की फौज इकट्ठी करना, यह समाज को मजबूत करना नहीं है। समाज को कमजोर करना है।' प्रहलाद पटेल ने आगे कहा कि उनके खिलाफ दुराग्रह आज नहीं तो कल सामने आ ही जाएगा। उनका कहना था कि मीडिया में जो बातें सामने आ रही हैं, वह पूरी तरह से गलत हैं। पटेल ने अपने बयान पर अडिग रहते हुए कहा कि अगर उनका पूरा बयान सुना जाए, तो यह साफ हो जाएगा कि उन्होंने किसी को अपमानित नहीं किया था। उन्होंने यह भी कहा कि 卐यह सवाल ही नहीं उठता कि मैं जनता के खिलाफ बोलूं।

अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस

नायक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी सरकार के इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता के हक और अधिकारों के लिए कांग्रेस पार्टी निणार्यक लड़ाई लड़ेगी। आगामी 5 मार्च को प्रदेश के सभी जिलों के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के खिलाफ जंगी प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटले के इस्तीफे की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्री प्रहलाद पटेल प्रदेश की जनता से सार्वजनिक माफी मांगे अन्यथा विरोध में लिए तैयार रहें। महिलाओं, गरीबों, किसानों, छात्रों और बुजुर्गों को उनका हक नहीं मिला तो कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

अयोध्या में राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश...

फरीदाबाद से हैंड ग्रेनेड के साथ संदिग्ध गिरफ्तार, आईएसआई से ली थी ट्रेनिंग

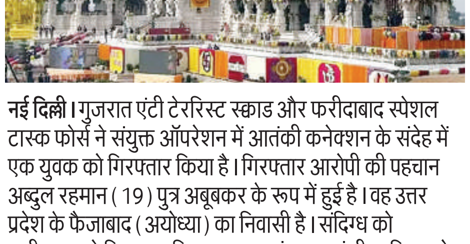

नई दिल्ली। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स ने संयुक्त ऑपरेशन में आतंकी कनेक्शन के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान (19) पुत्र अबूबकर के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) का निवासी है। संदिग्ध को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जहां वह आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में था। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत निष्क्रिय करा दिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध अब्दुल रहमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और उसे अयोध्या के राम मंदिर पर आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था।

भतीजे आनंद की बीएसपी में नो-एंट्री

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद से नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी पद छीनने के बाद अब उन्हें पार्टी से ही निष्कासित कर दिया है।अपने फैसले के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बसपा की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूं।अतः डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा कांशीराम की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। आकाश आनंद ने अपनी सफाई में कहा था कि मैं मायावती जी का कैडर हूं और उनके नेतृत्व में मैने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं, ये सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं उस फैसले के साथ खड़ा हूं।

611 करोड़ कथित उल्लंघन मामले में पेटीएम को नोटिस

नई दिल्ली। ईडी ने फेमा के उल्लंघन के लिए पेटीएम की मूल कंपनी और संबद्ध इकाइयों को 611 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह नोटिस संघीय एजेंसी के विशेष निदेशक की ओर से न्यायिक कार्यवाही शुरू करने के पहले जारी किया गया है।ईडी ने एक बयान में कहा कि पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और पेटीएम की अन्य सहायक कंपनियों जैसे लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगभग 611 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जांच में पाया गया कि ओसीएल ने सिंगापुर में विदेशी निवेश किया और विदेशी स्टेप-डाउन सहायक कंपनी के निर्माण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक रिपोर्टिंग नहीं की। नोटिस में लगाए गए आरोपों के अनुसार ओसीएल ने आरबीआई की ओर से निर्धारित उचित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किए बिना विदेशी निवेशकों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) भी प्राप्त किया था।ईडी ने कहा कि भारत में ओसीएल की सहायक कंपनी लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड ने भी आरबीआई की ओर से निर्धारित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किए बिना विदेशी निवेशकों से एफडीआई प्राप्त किया था।

अजब-गजब
तोते पालने पर एक लाख रुपये तक जुर्माना और तीन साल की सजा

जज के आदेश पर कोर्ट में हुई 27 तोतों की पेशी

खंडवा। जिला कोर्ट में एक अनोखा मामला आया, कोर्ट में जज के सामने 27 तोतों की पेशी कराई गई। इन तोतों को दो बहेलियों ने एक पेड़ पर पिंजरा लगाकर पकड़ा था। इन्हें वन अमले ने शनिवार को गिरफ्तार किया था। दोनों ही आरोपियों को न्यायालय ने वन्य जीव से जुड़े इस मामले के चलते जेल भेज दिया था, लेकिन उनसे जब्त किए गए 27 तोते वन अमले की देखरेख में थे।

उन्हें सोमवार को जिला न्यायालय ने प्राकृतिक वातावरण में रहने के लिए पिंजरे से आजाद करने का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश के बाद वन विभाग ने इन तोतों का पहले स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसके बाद उन्हें सोमवार देर शाम जंगलों में छोड़ दिया गया। दरअसल, खंडवा में वन विभाग ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 27 तोते जब्त किए थे। आरोपियों को रविवार का अवकाश होने के चलते स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। आरोपियों से जब्त किए गए तोतों की बरामदगी भी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई। इस दौरान तोतों के साथ उनके खाने पीने के लिए भी वन विभाग ने माकूल इंतजाम किया था। पिंजरों में टमाटर, ककड़ी, मूली और मिर्च के साथ वन अमला तोतों को लेकर कोर्ट पहुंचा था। यहां जज ने पिंजरे में बंद तोतों को देखने के बाद, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को भी सीधे जेल के पिंजरे में भेजने के आदेश दे दिए। लेकिन, तोतों को आजाद किए जाने को लेकर सोमवार को खंडवा की सीजेएम कोर्ट पर फैसला छोड़ा गया। इसके बाद सोमवार को सीजेएम कोर्ट में सुनवाई के लिए इन तोतों से भरे पिंजरे को वन विभाग की जीप से रेंज ऑफिस से कोर्ट तक लाया गया। वन अफसरों ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी नागरिक के पास इस तरह से तोते पाले हुए भी हों तो, वे उन्हें तुरंत रिहा कर दें। तोते पालना वन्य जीव से जुड़े अपराध की श्रेणी में आता है।

गली मोहल्लों में बेचते थे 25 से 30 रुपये में

रेंजर जेपी मिश्रा, वन रक्षक विकास चौहान और दीपेश दांगोरे ने कालजाखेड़ी क्षेत्र से भीमा मोंगिया निवासी घासपुरा खंडवा और सोनू कहार निवासी सियाराम चौक खंडवा के कब्जे से 27 तोते जब्त किए थे। आरोपियों ने पूछताछ में कबूला था कि कालजाखेड़ी में नदी किनारे स्थित एक नीम के पेड़ पर जाल लगाकर उन्होंने ये तोते पकड़े थे। वे गली मोहल्लों में ये तोते 25 से 30 रुपये प्रति तोते के हिसाब से बेचते थे। कोर्ट में आरोपियों ने फॉरेस्ट अधिकारियों के सामने कान पकड़कर माफी भी मांगी। इस दौरान उन्होंने माफ करने की गुहार भी लगाते हुए कहा कि अब वे कभी तोते नहीं पकड़ेंगे।

आज विद्या भारती के कार्यक्रम में मोहन भागवत

भोपाल। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती के 5 दिवसीय अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का शुभारंभ सोमवार को शारदा विहार भोपाल में हुआ। इस अवसर पर तीन विशेष प्रदर्शनी-संस्कृति, डिजिटल उपलब्धियां और शिशु वाटिका का उद्घाटन मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा किया गया। इस आयोजन में विद्या भारती के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मंगलवार को कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आएंगे। प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के बाद मंत्री विश्वास सारंग ने मीडिया से चर्चा में विद्या भारती के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल शिक्षा प्रदान नहीं कर रहे, बल्कि वे संस्कार केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि यह अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विद्या भारती द्वारा आयोजित यह 5 दिवसीय अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का शुभारंभ मंगलवार को सुबह 9 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत द्वारा किया जाएगा। इस अभ्यास वर्ग में देशभर से 700 से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

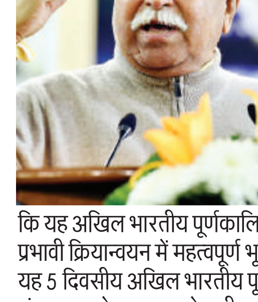

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

वार्ड 13 की आंगनबाडी में महिलाओं की टीबी की जांच की, 70 महिलाओं के लिए एक्सरे

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। नगर के वार्ड क्रमांक 13 की आंगनबाडी में शनिवार को महिलाओं की टीबी की जांच की गई। शाम पांच बजे तक 70 महिलाओं के एक्सरे लिए गए। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक्सरे किए गए। आशा कार्यकर्ता अभिलाशा साहू, किरण चौहान और अन्य आशा कार्यकर्ताएं इस दौरान उपस्थित रही। आंगनबाडी केंद्र में ही एक्सरे मशीन लगाकर जांच की गई। महिलाओं के एक्सरे भी आंगनबाडी में ही लिए गए। बीएमओ डा शशि अतुलकर ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी की जांच की जा रही है। परासिया अस्पताल में एक मोबाइल वैन भी भेजी गई है। परासिया सिविल अस्पताल और चांदामेटा सिविल अस्पताल में सैंपल देकर टीबी की जांच करा सकते है।

गुरुद्वारे में लगा निशुल्क नेत्र जांच शिविर

परासियां(मध्य स्वर्णिम)। गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा परासिया में सोमवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। जबलपुर के नेत्र चिकित्सालय ने गुरुद्वारे में लगाए गए शिविर में निशुल्क नेत्र जांच की। शिविर में 170 लोगों की आंखो की जांच की गई। इनमें से 112 लोगों के मोतियाबिंद के आपरेशन जबलपुर में किए जाएंगे। सोम्रवार को चार बजे 72 मरीज जबलपुर भेजे गए। शेष मरीजों को 5 जनवरी को भेजा जाएगा। गुरुद्वारे से सरदार गुरदीप सिंह, मंजीत कौर, अवतार सिंह सहोता, हरप्रीत कौर रिंपल ने सेवा कार्य किया। गौरतलब है कि गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा परासिया में प्रतिमाह तीन तारीख को नेत्र जांच शिविर लगाया जाता है। गुरुद्वारे से मंजीत कौर ने बताया कि जांच और आपरेशन पूरी तरह निशुल्क होता है। परासिया में जांच कर जबलपुर में आपरेशन किए जाते है। आने जाने, आपरेशन, दवाईयां और चश्में का खर्च्र पूरी तरह फ्री रहता हैं। लोग प्रतिमाह शिविर में आकर जांच करा सकते है।

पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपी को धरदबोचा

सांची(मध्य स्वर्णिम)। नगर के आस-पास के क्षेत्र में अवैध रूप से बिक रही शराब पर अंकुश लगाने पुलिस सक्रियता बरत रही हैं। पुलिस ने अवैध शराब का धंधा करने वाला आरोपी शुभम प्रजापति पुत्र प्रवेश प्रजापति उम्र 25 साल निवासी वार्ड नं 2 रामबाग जतरा पुरा जिला विदिशा को अवैध शराब क्वाटर देशी मसाला 40 सहित हिरासत में लिया । इस अवैध शराब की कीमत 3600 रुपये बताई जा रही है बताया जाता है कि आरोपी काफी दिनों से थाना क्षेत्रांतर्गत अवैध शराब मे लिप्त था तथा गांव गांव शराब सप्लाई करता था आज आरोपी शराब सहित पुलिस के हत्थे चढ़ गया पुलिस ने अवैध शराब का प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मंडी में नए चने की आवक शुरू, 5381 रुपए प्रति क्विंल में बिका 24,457 किसानों ने कराया पंजीयन

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। कृषि उपज मंडी में सोमवार से नए चने की आवक शुरू हो गई है। ग्राम पठारी के किसान निहाल सिंह 25 से 30 क्विंटल नया चना लेकर मंडी पहुंचे। व्यापारियों ने 5381 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से खरीदी की। किसान निहाल ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्हें कम दाम मिले हैं। उनकी अपेक्षा 6000 रुपए प्रति क्विंटल की थी। घर में शादी का कार्यक्रम होने के कारण उन्हें मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचनी पड़ी। जिले में समर्थन मूल्य पर अनाज बेचने के लिए 24,457 किसानों ने पंजीयन कराया है। कुल 66,330 हेक्टेयर क्षेत्र पंजीकृत हुआ है। फसलवार पंजीयन में गेहूं के लिए 23,609, चने के लिए 2,100, मसूर के लिए 806 और सरसों के लिए 40 किसानों ने पंजीयन कराया है। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार, रायसेन में सबसे अधिक 6,052 पंजीयन हुए हैं।

पर्यटन उधोग से वैश्विक स्तर पर उभरता तामिया

ग्रामीण जीवन शैली से पर्यटको को लुभा रहे आदिवासी, ग्रामीणों को मिल रहा हर दिन रोजगार

नितिन दत्ता

तामिया/(मध्य स्वर्णिम)। वैश्विक पर्यटन को अब आम तौर पर दुनिया के सबसे बड़े उद्योगों में से एक और रोजगार तथा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक माना जाता है। छिंदवाडा जिले का तामिया पर्यटन स्थल में विशेष रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को लाभ पहुंचा रहा है, जिले में सर्वाधिक 67 होम स्टे में से 30 तामिया के 7 ग्रामो में संचालित हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा आंकड़ा है। स्थानीय पर्यटन क्षेत्र में होम से के बाद अधिकांश गाइड जैसी नौकरियां और व्यवसाय सृजित हो रहे हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से सटे बफर जोन तामिया में बफर का सफर पहले ही सुर्खियो में है। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की होम स्टे योजना उन सभी ग्रामीण स्वदेशी घर मालिको के लिए एक सुनहरा अवसर है जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आवास और भोजन की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

यह योजना भारत के मूल दर्शन और परंपरा, वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है। छिंदवाड़ा का हर पर्यटन ग्राम अपने आप में एक विशेषता लिए हुए है। सावरवानी में प्राकृतिक सुकून है और चोपना में साल का जंगल व देवना नदी अनूठा दर्शन है। चिमटीपुर में पातालकोट का सौंदर्य है वहीं गुमतरा में ऑफ बीट डेस्टीनेशन के साथ पेंच नेशनल पार्क के समीप है। देवगढ़ में गोंड शासन का ऐतिहासिक किला है तो काजरा में हसीन वादियों के साथ मंधान डेम का बैक वॉटर है। धूसावानी में आम के बगीचों के साथ चौरागढ़ महादेव में दर्शन का सौभाग्य है। छिंदवाडा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह व जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में छिंदवाड़ा जिले में पर्यटन गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिला पुरातत्व पर्यटन एंव संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत ने बताया कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित सभी पर्यटन ग्रामों में बने होम स्टे में आने वाले पर्यटकों को सभी सुविधाएं मिलें, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

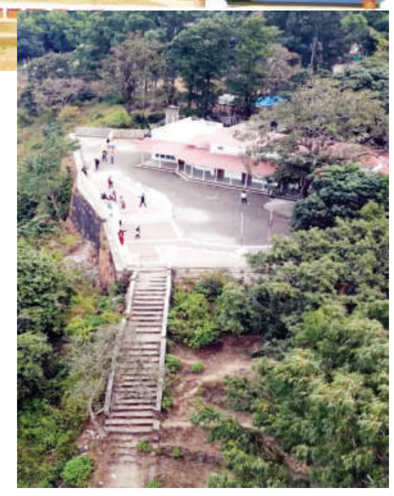

तामिया में है जिले के सर्वाधिक होम स्टे: छिंदवाड़ा जिले के तामिया में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किए जा रहे होम स्टे में कई होम स्टे हैं। पर्यटन प्रबंधक गिरीश लालवानी ने बताया कि छिंदवाड़ा के तामिया सहित नौ गांवों का चयन पर्यटन बोर्ड ने पर्यटन ग्रामों के रूप में किया, इसमें से सात ग्रामों में होम स्टे शुरू हो चुके हैं। जिले में 67 होम स्टे बनना प्रस्तावित हैं, इसमें से 30 होम स्टे शुरू हो चुके हैं और पर्यटक इसका लाभ ले रहें हैं।सावरवानी, देवगढ़, काजरा, गुमतरा, चोपना, चिमटीपुर और धूसावानी में संचालित होम स्टे पर्यटकों के मन को भा गए हैं। ये होम स्टे जहा आदीवासी परिवारों के लिए आय का एक अहम ज़रिया हैं वही शहर की शोरगुल से दूर हैं आदिवासी जीवन शैली की झलक दिखाते हैं7 इसी आकृषण मे कई पर्यटक पारंपरिक घरों में रुकना पसंद करते हैं। जिले के पर्यटन ग्रामों के होम स्टे देश-प्रदेश के पर्यटकों को भा रहे हैं। हर स्ताह अंत पर होम स्टे में पर्यटक रूक रहे हैं। एमपीटी के क्लस्टर इंजीनियर आयुष सिंह राजपूत प्राकृतिक संसाधनों के बीच होंम स्टे बनाये जा रहे हैं ।

पातालकोट की रसोई है बेहद खास: ट्राइब्स स्केप और पातालकोट की रसोई प्रमुख पवन श्रीवास्तव ने जनजातीय भोजन को नए आयाम दिए है।मक्के की रोटी, टमाटर की चटनी, कुटकी का पुलाव, महुये की पूरी सहित अन्य देसी व्यंजनो का जायका पातालकोट की रसोई के जरिये पर्यटको की पहली पसंद है। विगत वर्षो मे शासकीय आयोजन हो या किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति का दौरा हो उन्हे पातालकोट की रसोई परोसी जा रही है। पर्यटन ग्राम धूसावानी में के मोयापानी होम स्टे में पहले ही दिन 7 फरवरी शनिवार को पर्यटक पहुंचे और होम स्टे में रूके यहा सेमी की सब्जी मक्के की रोटी कुटकी और भेजरे की चटनी परोसी गई ।

बफर का सफर से बढ़ेगा रोजगार

तामिया मे वर्तमान मे सतपुडा टाइगर रिजर्व का बफर जोन ग्राम देलाखारी से शुरु होता है फिलहाल यहा मंधान के पास एक ही प्रवेश द्वार से बफर का सफर संचालित है7 बीते दिनों सांगाखेड़ा एवं झिरपा क्षेत्र में टाइगर रिजर्व के गेट खोलकर रोजगार बढ़ाने की मांग स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक में सरकार से जुन्नारदेव विधायक सुनील उईके ने रखी थी7 विधायक ने बोरी अभ्यारण्य की सीमा के निकट सिमडी ग्राम के होटल तथास्तु में आयोजित हुई बैठक में ईको पर्यटन (बफर जोन) गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव गौरतलब है कि धूसावानी के मोयापानी ग्राम में होम स्टे शुभारंभ के बाद पहले ही दिन 5 फरवरी को पर्यटक परिवार यहां पहुंचें और दो दिन-एक रात यहां रहकर ग्रामीण जीवन का अनुभव लिया। पर्यटक परिवार ने धूसावानी में ट्रेकिंग का आनंद लिया था।

ग्रामीण जीवन शैली से पर्यटको को लुभा रहे आदिवासी

बैलगाडी मे घुमना और गायो को दुहना पर्यटको के लिये अनोखा अनुभव है7 सीताडोंगरी के पास साल (सरई) के जंगल हो, पातालकोट का चिमटीपुर हो यहा के होम स्टे पर्यटकों से गुलजार है। पर्यटक यहां ग्रामीण परिवेश के जीवन का अनुभव कर आनंद ले रहे है ।

ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की होम स्टे योजना से पर्यटन ग्रामों में रोजगार के अवसर भी बढ़ें हैं। सावरवानी, देवगढ़, काजरा, चोपना सहित सभी ग्रामों में पर्यटक गांव में ही उगाई सब्जियों, अनाज का सेवन करते हैं। गांव के लोग गाइड, बैलगाड़ी संचालन, लोक नृत्य, भजन मंडली में प्रस्तुति देते हैं, जिसका उन्हें पर्यटकों द्वारा मेहनताना भुगतान किया जा रहा है। तामिया मे बने इस होम स्टे से लगभग सौ से अधिक स्थानीय लोगो को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है।

इनका कहना है

भाजपा सरकार संकल्पित है कि पर्यटन के क्षेत्रों में पर्यटक आए साथ ही साथ ही उनको अच्छी सुविधाएं देकर वहां का पर्यटन बढ़े। केन्द्र सरकार ने भी बजट में पर्यटन को प्राथमिकता दी है जिसमें देश में बड़ी संख्या में होम स्टे खोलने का लक्ष्य रखा है। खुशी होती है कि छिंदवाड़ा होम स्टे के मामले में पूरे देश में मॉडल बनकर उभरा है। तामिया पातालकोट में होम स्टे के कारण पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और हमारे आदिवासी भाई-बहनों को रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

विवेक बंटी साहू, सांसद छिंदवाडा

शासन द्वारा स्थानीय लोगों को दोना पत्तल की ट्रेनिंग दी जाकर 12 महीनों खरीदी की जाए। बफर के गेट खोलकर स्थानीय युवाओं को जिप्सी दी जाए। इससे लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही पर्यटन क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त किया जाकर पर्यावरण का संरक्षण भी करना होगा।

सुनील उइके, विधायक,जुन्नारदेव

मैने कभी सोचा नहीं था कि ऐसा अवसर मिलेगा। पवन श्रीवास्तव जी के ट्राइब्स स्कैप की ट्रेनिंग से आज परिवार के लिए पैसा कमा पा रही हूं। साथ ही समाज की संस्कृति भी समझ पा रही हूं।

वर्षा भारती, गाइड पातालकोट

होम स्टे परियोजना ने किस्मत बदल दीए आज हर महीने 20 से 25 हजार की कमाई हो जाती है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोई बाहरी चीजें न खरीदते हुए स्थानीय स्तर पर काम चल रहा है।

कमलेश यदुवंशी, तामिया होंम स्टे

- क्षेत्रीय रोजगार को बढ़ाने के लिए पर्यटन विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ दिलाने हम सतत सक्रिय है।

वतन उपाध्याय, अध्यक्ष भाजयुमो तामिया

बीएमएस कार्यालय में एकल विद्यालय के संच प्रमुख

विद्यालय की स्थिति पर की चर्चा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

भारतीय मजदूर संघ के कार्यालय ठेंगडी भवन में सोमवार को एकल विद्यालय के संच प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एकल विद्यालय के गुजुजियों से विद्यालय की स्थिति, रिजल्ट, संचालन और परीक्षाओं को लेकर चर्चा की गई।

एकल विद्यालय के परासिया संघ के अध्यक्ष गोविंद डेहरिया ने बताया कि बैठक में विद्यालय से जुडे सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न विषयों को लेकर बातचीत हुई। सोनापीपरी स्कूल के प्रधान पाठक रामविलास रघुवंशी, संच प्रमुख स्वाति दुबे, लक्ष्मी यदुवंशी, नरेश, भोलाराम साहू, ण्एकल चिद्यालय के आर्चाय उपस्थित रहे।

भमोडी में सार्वजनिक टायलेट के दरवाजे चोरी

सार्वजनिक संपत्तियो को पहुंचा रहे नुकसान

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

ग्राम भमोडी मे सामुदायिक टायलेट के दो दरवाजो को रविवार की रात अज्ञात तत्वो द्वारा चुरा लिया गया है। सोमवार को पंचायत में इस मामले को लेकर चर्चा की गई। इसके पहले आंगनवाडी तथा शासकीय शाला भवन के पानी सप्लाई पाइप सहित अन्य सामग्रियो को नुकसान पहुंचाया गया। बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक टायलेट को लगातार असमाजिक तत्व नुकसान पहुंचा रहे है । यहां वाश बेसिन तथा पाइप को कई बार तोड दिया गया है। आंगनवाडी की दो पानी सप्लाई की टंकियो को चोर उपर छत से उखाड कर ले गये। सरपंच विपिन श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को दी जाती है लेकिन असमाजिक तत्वो द्वारा लगातार शासकीय संपत्तियो को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जिन स्थानो पर सरकारी संपत्तियो का नुकसान किया जा रहा है वहां पर रात मे असमाजिक तत्वो का जमावडा लगा रहता है इन स्थानो पर शराब की खाली बोतले तथा आपत्तिजनक सामग्रियां पडी रहती है।

सड़क किनारे लगे पेड़ों की छंटाई का काम शुरू

110 किलोमीटर की सडक पर पुलिस करवा रही छटाई

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

छिंदवाडा पुलिस ने एसपी अजय पांडे' के निर्देशन में सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छिंदवाडा से झिरपा तक लगभग 110 किलोमीटर के मार्ग पर सड़क किनारे लगे पेड़ों की छंटाई का कार्य शुरू किया है। सड़क पर पेड़ पौधों की डालियों के कारण कम हुई विजिबिलिटी को सुधारने के उद्देश्य से ट्रिमिंग की जा रही है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। लंबे समय से सड़क पर झुकी पेड़ पौधों की डालियों के कारण वाहन चालकों को स्पष्ट मार्ग नहीं दिखता था, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी।' पुलिस अधीक्षक द्वारा इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए, जिसके तहत यह कार्य तेजी से किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपीलकृकी कि वे इस कार्य के दौरान सावधानी पूर्वक वाहन धीरे चलाएं और इस अभियान में सहयोग करें, ताकि सड़क को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सके।

खकरिया रैय्यत में सडक दुर्घटना में घायल की नहीं हुई पहचान

झाडियों में घुसा था दुपहिया वाहन, छिंदवाडा अस्पताल में है भर्ती

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ के खुकरिया रैयत में सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति की पहचाननहीं हो सकी है। घायल बेहोश अवस्था में छिंदवाडा अस्पताल में भर्ती है। सोमवार को सात बजे उमरेठ के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मानक बेलवंशी नेघायल की पहचान के लिए सोशल नेटवर्क के माध्यम से नागरिकों से अपील की। उमरेठ के मरकाम ढाना शिव मंदिर के समीप मोड पर शनिवार को दुपहिया चालक अनियंत्रित होकर झाड़ियां में घुस गया था। जिससे दुपहिया चालक को गंभीर चोट आई थी। बाईक सवार की पहचान आयुष कुमरे के रूप में हुई थी। सडक पर एक और व्यक्ति घायल मिला था। आयुष का कहना है कि वह इसके साथ नहीं था। बेहोश व्यक्ति की पहचान नहीं हो पा रही है।

परासिया अस्पताल में भी उसे बेहोश अवस्था में ही लाया गया था। यहां से छिंदवाडा रिफर किया गया था। दो दिनों में घायल की पहचान नहीं हो सकी है। राहगीरों ने बताया कि बिना नंबर की बाईक का चालक उमरेठ की ओर से आ रहा था। वाहन चालक तेज रफ्तार में खुकरिया रैयत मरकाम ढाना रोड पर शिव मंदिर के आगे मोड पर उसने बाई पर से नियंत्रण खो दिया। बाईक सीधे झाडियों में घुस गई। स्थानीय निवासिया ने घायलों को उठाकर वाहन से परासिया अस्पताल भेजा।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा, लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने शिकायकर्ताओं से मोबाईल पर बात कर जानी समस्या,कराया निराकरण

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, एंव योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उपायुक्त सहकारिता छविकांत बाघमारे को सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने और भ्रमित जानकारी देने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वही जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक हंसराज चौधरी को बिना पूर्व सूचना के बैठक से अनुपस्थित रहने पर तथा सीएमओ सांची को सीएम हेल्पलाईन शिकायतें नॉन अटेन्डेन्ट रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों और उनके निराकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का गंभीरतापूर्वक संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे, शिकायत प्राप्त होते ही नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही की जाए।

उन्होंने डी और सी ग्रेड में शामिल विभागों के अधिकारियों को आगामी एक सप्ताह में अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने शिकायतकर्ता से मोबाईल पर सुनी समस्या

टीएल बैठक में ग्रामोद्योग विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा ने ग्राम सेवासनी निवासी शिकायतकर्ता नवीन धाकड़ को कॉल कर शिकायत तथा उसके समाधान के बारे में जानकारी ली। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत आवेदन दिया था। सागर रोड स्थित एसबीआई बैंक शाखा में योजना के तहत ऋण हेतु सम्पर्क करने पर बैंक के कर्मचारी ने उसे बताया कि 75 हजार रू के ऋण पर 35 से 40 हजार रू ब्याज देना होगा। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिकायतकर्ता से कहा कि योजना के तहत अनुदान राशि के साथ ही ब्याज अनुदान भी दिया जाता है।

माखनी में वक्फ की जमीन होने का किया दावा गांव में मची खलबली

प्रधानमंत्री आवास को भी बताया वक्फ की भूमि में जमींदोज किए जाने दिया नोटिस

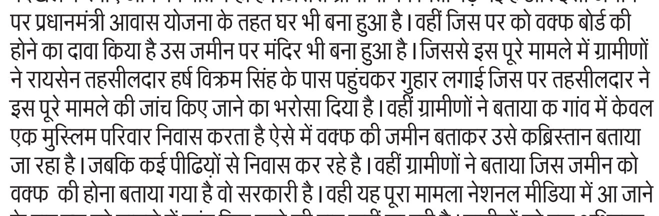

रायसेन। जिला मुख्यालय के समीपस्थ गांव माखनी में खलबली मच जाने का माहौल निर्मित हो गया है। ऐसा माहौल इसलिए गांव में बना जब वक्फ बोर्ड की जमीन का दावा करते हुए एक अधिवक्ता द्वारा रजिस्टर्ड डाक द्वारा गांव के 7 लोगों को नोटिस जारी करते हुए जमीन से बेदखल करवाए जाने की बात कहीं है। जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है और इसी जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर भी बना हुआ है। वहीं जिस पर को वक्फ बोर्ड की होने का दावा किया है उस जमीन पर मंदिर भी बना हुआ है। जिससे इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने रायसेन तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह के पास पहुंचकर गुहार लगाई जिस पर तहसीलदार ने इस पूरे मामले की जांच किए जाने का भरोसा दिया है। वहीं ग्रामीणों ने बताया क गांव में केवल एक मुस्लिम परिवार निवास करता है ऐसे में वक्फ की जमीन बताकर उसे कब्रिस्तान बताया जा रहा है। जबकि कई पीढियों से निवास कर रहे है। वहीं ग्रामीणों ने बताया जिस जमीन को वक्फ की होना बताया गया है वो सरकारी है। वही यह पूरा मामला नेशनल मीडिया में आ जाने के बाद इस पूरे मामले में जांच किए जाने की बात कहीं जा रही है। ग्रामीणों को एक अधिवक्ता द्वारा दिए गए नोटिस में माखनी के खसरा नम्बर 178 रकबा 0,5430 है को वक्फ की सम्पत्ति बताया गया है। नोटिस में उल्लेख्य किया गया है कि नोटिसीगण द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति पर अतिक्रमण कर वक्फ को घोर क्षति पहुंचाई जा रही है।

श्रद्धालु 11 रुपए में ले सकेंगे सोमेश्वर महादेव का फेम, प्रजापति समाज मंदिर से हुआ शुभारंभ

रायसेन। शहर में सोमेश्वर महादेव की फोटो फेम सभी वार्डों में बांटने का अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत हर घर में सोमेश्वर महादेव का फोटो फेम पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को वार्ड नंबर 9 स्थित रामलीला मैदान प्रजापति समाज मंदिर शुरू किया गया। कार्यक्रम मंदिर की आरती के बाद रात 8 बजे से शुरू हुआ, श्रद्धालु मात्र 11 रुपए की न्यूनतम भेंट देकर सोमेश्वर महादेव का फोटो फेम प्राप्त किए। अभियान नगर के लगभग सभी मोहल्लों में चलाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि हर घर में सोमेश्वर महादेव की प्रतिमा स्थापित हो और लोग नित्य पूजा-पाठ कर सकें।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

छात्रा से दुष्कर्म और पैसे हड़पने वाला क्लासमेट गिरफ्तार

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र द्वारा सहपाठी बंगाली छात्रा को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किये जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पहले छात्रा को हिंदी सिखाने का झांसा दिया और लिव इन रहने लगा। इस दौरान आरोपी ने छात्रा से करीब 2.50 लाख रुपए हड़प लिए। तंग आकर छात्रा ने पुलिस से शिकायत कर दी। पुलिस के अनुसार, 23 साल की युवती, मूलरूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। उसने यहां बायपास स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन लिया था। युवती को हिन्दी ठीक से नहीं आती। कॉलेज में बिहार का गुंजन कुमार भी उसके साथ पढ़ता था। गुंजन उसे हिन्दी भाषा सिखाने में मदद करता था। उसी दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई। तीन महीने पहले हुई दोस्ती प्रेम-प्रसंग में बदल गई और फिर दोनों एक्सटेंशन की एक कॉलोनी में लिव-इन रिलेशन में रहने लगे। कुछ दिन अच्छे से रहने के बाद गुंजन उसे प्रताड़ित करने लगा और जरूरत बताकर पैसों की डिमांड करने लगा। छात्रा ने पुलिस को बताया कि करीब 2.50 लाख रुपए वह ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करा चुका है और नगदी भी ले चुका है। आरोपी की डिमांड पूरी करने के बाद भी वह छात्रा को लगातार प्रताड़ित कर रहा था।

संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा में प्लास्टिक सर्जरी से जोड़ा कटा हुआ हाथ

भोपाल। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने दुर्घटना ग्रस्त अनिल साकेत का कटा हुआ हाथ जटिल शल्य चिकित्सा से पुनः जोड़ने में सफलता प्राप्त की है। इस सफलता पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के प्लास्टिक सर्जन डॉ. अजय पाठक एवं उनकी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आपकी कार्यक्षमता से प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर रही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम सलैया, जिला सीधी निवासी 28 वर्षीय अनिल साकेत का बायां हाथ लकड़ी काटने की मशीन से कलाई से पूर्णतः अलग हो गया था। मरीज को गंभीर अवस्था में उसी दिन सुबह चिकित्सालय लाया गया, जहां वरिष्ठ प्लास्टिक एवं शल्य चिकित्सकों ने तत्काल मूल्यांकन कर पुनः अंग जोड़ने की शल्य प्रक्रिया करने का निर्णय लिया। प्लास्टिक सर्जन डॉ. अजय पाठक एवं वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम द्वारा लगभग 6 घंटे तक चले इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस सर्जरी में अस्थि रोग विभाग के डॉ. बी.बी. सिंह, निश्चेतना विभाग के डॉ. अरविंद राठिया तथा डॉ. आशुतोष का विशेष योगदान रहा।

पैक्स कंप्यूटराइजेशन के सफल क्रियान्वयन के लिए पैक्स प्रबंधकों को मिलेगी 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि

भोपाल। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग में अग्रणी रहा है। केंद्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजना के क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में मध्यप्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के डिजिटाइजेशन एवं सॉफ्टवेयर आधारित अंकेक्षण का कार्य प्रगति पर है। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए गठित स्टेट लेवल इम्प्लीमेंटेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलआईएमसी) की बैठक मंत्रालय में हुई। समिति ने सर्व सम्मति से पैक्स प्रबंधकों/ सहायक समिति प्रबंधकों को एकबारगी राशि 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृति प्रदान की। इसके लिए 15 मई 2025 तक पैक्स को ई-पैक्स (तातारीख़ सॉफ्टवेयर पर कार्यशील होना) घोषित किया जाना अनिवार्य होगा। साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों (डीसीसीबी) के 2 मास्टर ट्रैनर्स, जिनके बैंक की न्यूनतम 50 प्रतिशत पैक्स को उक्त दिनांक तक ई-पैक्स घोषित किया गया है, को प्रतिमाह राशि 1000 रुपए का प्रोत्साहन आगामी 12 माह तक प्रदान किया जाएगा। पैक्स प्रबंधकों को दी जाने वाले राशि का वहन अपैक्स बैंक तथा मास्टर ट्रेनर को दी जाने वाली राशि का वहन संबंधित डीसीसीबी द्वारा किया जाएगा। इस तरह अच्छे कार्य को सराहना देने में भी मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है।
बैठक में श्रीमती सी सरस्वती(मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल), मनोज कुमार गुप्ता (प्रबंध संचालक, अपैक्स बैंक), अम्बरीश वैद्य (संयुक्त आयुक्त, आयुक्त सहकारिता प्रतिनिधि), श्रीमती अंजुली धुर्वे (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी रायसेन), विनय प्रकाश सिंह (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी विदिशा) एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करें : कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को लेकर सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वह सरपंचों के साथ बैठक कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर सिंह ने रबी उपार्जन हेतु चल रहे पंजीयन कार्य की समीक्षा की एवं उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जाए। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एडीएम भूपेन्द्र गोयल, एसडीएम एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने राजस्व अधिकारियों को आधार लिंकिंग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सिंह ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान की प्रगति एवं आगामी रणनीति की समीक्षा की।

कलेक्टर सिंह ने ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को लेकर जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके अधीनस्थ सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की जानकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी भोपाल पर अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

कृष्णा गौर ने 1 करोड़ 50 लाख के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि सड़क निर्माण से समृद्धि आती है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर सोमवार को गोविंदपुरा विधानसभा के विभिन्न वार्ड में लगभग एक करोड़ 50 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित है। ये सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाएंगी, बल्कि क्षेत्र के विकास में भी सहायक सिद्ध होंगी।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर वार्ड 68 में अयोध्या नगर फेस-5 में 35 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामूहिक भवन के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों को क्षेत्र में साफ-सफाई के निर्देश दिए। वार्ड-68 अयोध्या नगर में सरयू सरोवर के पास 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाले शेड एवं चबूतरे के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया।

वार्ड 68 के ही जोन 16 में एसपीईबी कार्यालय के पीछे जी सेक्टर सेंट थॉमस स्कूल के पीछे 25 लाख की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट सड़क के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया और रहवासियों की अन्य समस्याओं को सुनने के बाद उसके तुरंत निराकरण के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। वार्ड 68 में एमपीईडी सर्विस स्टेशन एफ सेक्टर अयोध्या नगर में चौराहे से अरहेड़ी पुलिया तक 22 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया।अयोध्या नगर की सी आई यूनिट के पास सरस्वती स्कूल से इसरो एम सेक्टर तक 87 लाख रुपए की लागत से सेंट्रल वर्ज निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया और निर्माणधीन सड़क का निरीक्षण किया।

हर घर नल से जल प्रदाय सुनिश्चित किया जाए

जन शिकायत निवारण की पुख्ता व्यवस्था की जाए संभागायुक्त संजीव सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली

भोपाल। संभागायुक्त संजीव सिंह ने निर्देश दिए हैं कि शासन की नल जल योजना के अंतर्गत हर घर नल से जल प्रदाय सुनिश्चित किया जाए। जो नल जल योजनाएं पूर्ण हो गई हैं, उन्हें संबंधित ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया जाए। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं मध्य प्रदेश जल निगम कार्ययोजना बनाकर तत्परता पूर्वक कार्रवाई करें। संभागायुक्त सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक ली।
बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि लोक सेवाओं से जुड़े विभिन्न विभागों में जन शिकायत निवारण की पुख्ता

व्यवस्था की जाए। पानी, बिजली आदि की शिकायतें प्राप्त करने एवं उनके समाधानपूर्वक त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभाग इस प्रकार की व्यवस्था करें कि जनता आसानी से अपनी शिकायत दर्ज कर पाए और उन शिकायतों का जल्दी से जल्दी निराकरण हो। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि स्कूल शिक्षा विभाग निशुल्क साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण एवं सी एम राइस भवनों का निर्माण समय - सीमा में सुनिश्चित करे। उन्होंने वर्तमान में चल रही 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं के समुचित संचालन संबंधी निर्देश भी दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निर्माण अधीन आंगनबाड़ी भवनों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

तेज रफ्तार डंपर ने युवको को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल। छोला मदिंर थाना इलाके में दो पहिया वाहन सवार युवकों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर लगने से दोनों युवक वाहन उसे उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे। घटना में वाहन चला रहे युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय रामश्रीवास पिता राकेश श्रीवास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राइवेट काम करता था।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित गरीब नगर बस्ती में रहते हुए वह हबीबगंज स्थित सांची डेयरी में नौकरी करता था। बीती रात उसके दोस्त की रिश्ते की बहन की शादी थी। जिसमें शामिल होने के लिए वह दोस्त अमन साहू के साथ चौपड़ा इलाके में गया था। शादी से निकलने के बाद वे घर जाने के बजाए नादिरा बस स्टैंड पहुंचे। वहां चाय पीने के बाद वापस घर के लिए निकले।

रात करीब तीन बजे जैसै ही स्वागत शादी हॉल के सामने पहुचें तभी गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। स्कूटी के अगले हिस्से में टक्कर लगते ही दोनों उछलकर डिवाइडर पर जा जा गिरे। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर एंबुलेंस की मदद से दोनों को इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया।

वहॉ डॉक्टरों ने रामश्रीवास को मृत घोषित कर दिया। वहीं पीछे बैठे पीयुष को गंभीर चोटें आई हैं,उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जॉच शुरू कर दी है।

देहात पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में 27 स्थाई, 48 गिरफ्तारी फरार अपराधियों को दबोचा

एसडीओपी, टीआई, स्टाफ के साथ ही 100 पुलिस अधिकारी, कर्मचारी देर रात उतरे सड़क पर

भोपाल। राजधानी भोपाल के देहात इलाके की पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात सड़को पर उतरकर कॉम्बिंग गश्त करते हुए 27 स्थाई , 48 गिरफ़्तारी फरार अपराधियों को गिरफ्तार करने मे सफलता पाई है।

पुलिस अधीक्षक भोपाल (ग्रामीण) प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर सभी आला अधिकारियों सहित पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए आदतन अपराधियों के घरों पर देर रात अचानक दबिश देते हुए उनकी जानकारी जुटाई गई। इस दौरान पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में दो नाबालिग किशोरियो को दस्तयाब करते हुए इलाके में अशांति फैलाने वाले कई असामाजिक तत्वों को भी पकड़ा है। जानकारी के अनुसार कॉम्बिंग गश्त के लिये रविवार-सोमवार की दरमियानी रात देहात क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ नीरज चौरसिया के मार्गदर्शन पर समस्त एसडीओपी, टीआई, थाने का स्टॉफ सहित 100 पुलिस अधिकारी, कर्मचारी देर रात सड़को पर उतर आये। अधिकारियो ने जिले के सभी थाना इलाको में पुलिस बल आवश्यक निर्देश देते हुए कांबिंग गश्त के लिए रवाना कियाद्य देर रात 12 बजे से अलसुबह 5 बजे तक की गई इस कार्यवाही में पुलिस ने 27 स्थायी फरारी वारंटी और 48 गिरफ्तार वारंटियों को पकड़ने के साथ ही मुखबिर से मिली सूचना पर दो नाबालिक बच्चियों को दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है।

शिवरात्रि के महापर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन

भोपाल। शिव रात्रि के महापर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन शिव शक्ति धाम मंदिर न्यू फोर्ट एक्सटेंशन अवधपुरी भोपाल में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 3 मार्च 2025 को शिव शक्ति धाम मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है बाबा महाकाल की कृपा से लगातार सफलतापूर्वक यह तीसरा वर्ष है जिसमें सभी से भक्तों के सहयोग से विशाल भंडारा किया जाता है मंदिर के पुजारी पंडित श्री रज्जन महाराज शास्त्री जी ने बताया कि शिव शक्ति धाम मंदिर पर हर वर्ष महाशिवरात्रि पर विशाल भंडारे का आयोजन शिव भक्तों से द्वारा किया जाता है जिसमें सभी क्षेत्रीय रहवासी एवं सभी शिव शक्ति धाम मंदिर परिवार के सदस्य हिस्सा लेते हैं हर हर महादेव।

बहन ने परिचित को उधार दी थी रकम, भाई ने दोस्तो के साथ मिलकर लूट लिया

मास्टरमाइंड सहित तीनो आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल। हबीबगंज थाना पुलिस ने इलाके में एक्टिवा सवार युवक के साथ मारपीट कर हुई लूट की वारदात का खुलासा कर दिया है। आरोपी कोई और नहीं बल्कि उस महिला का भाई निकला जिससे फरियादी 45 हजार की रकम उधार लेकर निकला था। इसकी भनक लगने पर रकम देने वाली महिला के भाई ने अपने साथियो के साथ प्लान बनाकर उसे लूट लिया। पुलिस ने तीनो आरोपियो को गिरफ्तार कर लूटी गई रकम और वाहन जप्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार फरियादी लोकेन्द्र गोडिया पिता दयाराम गोडिया (45) निवासी रोहित नगर ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया की निजी काम के चलते पैसौ की जरुरत होने पर उसने पीसी नगर गड्डा में रहने वाली गुलनाज नामक महिला से 45 हजार की रकम उधार ली थी।

100 सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर मिला लुटेरो का सुराग

टीम ने घटना स्थल सहित लुटेरो के भागने का रुट मैप बनाते हुए वहॉ लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले जिसमें बदमाशो के अहम सुराग हाथ लगे। इन सुरागो और मुखबिर की मदद से पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले मास्टर माइंड नसीम खॉन पिता स्व. कदीर (24) और उसके साथियो विकास मंसारे उर्फ झाडू पिता दिनेश मंसारे (20), मूल निवासी, एकता नगर पीथमपुर जिला धार हाल पता गड्डे वाली मल्टी हबीबगंज और पियूष ढाकसे उर्फ कुनाल पिता शिव शंकर ढाकसे (21) निवासी कुशाभाऊ ढाकरे गड्डे वाली मल्टी थाना हबीबगंज को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

नसीम से मिली मुखबिरी पर बनाई लूट की योजना

पूछताछ में खुलासा हुआ की मुख्य आरोपी नसीम को इसकी जानकारी थी की उसकी बहन फरियादी को मोटी रकम उधार देने वाली है। इसकी भनक लगने पर उसने अपने साथियो विकास मंसारे और पियूष ढाकसे के साथ मिलकर लूट की योजना बना डाली। योजना के मुताबिक फरियादी जैसै ही आरोपी नसीम की बहन के पास से एक रूपए लेकर निकला उसी समय नसीम ने अपने साथियो को इशारा कर दिया। उसका इशारा मिलने पर विकास मंसारे और पियूष ढाकसे ने आगे घात लगाकर खड़े हो गये और उसके आने पर उसके वाहन में लात मार कर गिराते हुए एक्टिवा लेकर फरार हो गए। लूट के बाद आरोपियो ने रकम को आपस में बांट लिया, इसमें नसीम ने आरोपी विकास, पीयूष को 5000 हजार दिये और 35 हजार की रकम उसने खुद रखी थी। पकड़े गये बदमाश नसीम और विकास के खिलाफ पूर्व में चार-चार अपराधिक मामले दर्ज है।

बदलेगा प्रदेश का मौसम तापमान में गिरावट के आसार, प्रदेश के कुछ जिलों में छाएंगे बादल

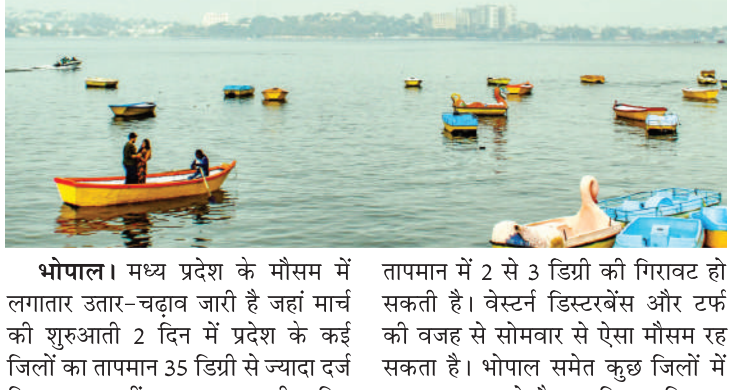

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है जहां मार्च की शुरुआती 2 दिन में प्रदेश के कई जिलों का तापमान 35 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया, वहीं कुछ जगह हल्की बारिश भी दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार से प्रदेश के मौसम में थोड़ा बदलाव आ सकता है। जिससे मार्च में पहली बार दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस और टर्फ की वजह से सोमवार से ऐसा मौसम रह सकता है। भोपाल समेत कुछ जिलों में बादल छा सकते है, जबकि ग्वालियर-चंबल में तेज धूप खिली रहेगी।

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मार्च में बारिश के सामान्य से कम होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। प्रदेश में मार्च से ही हीट वेव यानी लू भी चलेगी। 15 मार्च के बाद जब शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचेगा, तब गर्म हवा का असर देखने को मिलेगा। मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

दिन का पारा 35 पार

मार्च के शुरुआती 2 दिन में दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। प्रदेश के पांच शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया।

बीमारी से परेशान एमबीए छात्रा ने लगाई फांसी

भोपाल। कोलार थाना इलाके में एक एमबीए छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हादसे मे समय छात्रा घर पर अकेली थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिसके कारण फिलहाल खुदकुशी का सही कारण साफ नहीं हो सका है। हालांकि शुरुआती जॉच में छात्रा के मानसिक बीमारी से पीड़ित होने के कारण डिप्रेशन में रहने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली

जानकारी के अनुसार स्वागत ड्रीमलैंड कॉलोनी में रहने वाले वाले उत्तम शुक्ला खुद का व्यवसाय करते हैं, उनकी पत्नी घरेलू महिला हैं। उनके दो बच्चों में एक बेटा और एक बेटी है। बेटी वैष्णवी शुक्ला (22) एक निजी कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। बीती शाम करीब 6 बजे छात्रा के माता-पिता घरेलू का सामान लेने के लिये मार्केट गये हुए थे, वहीं भाई भी किसी काम के चलते घर पर नहीं था। रात करीब 8 बजे परिजन वापस लौट कर आए तो उन्हें घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाजे देने और खटखटाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तब पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला गया। अंदर जाकर देखने पर वैष्णवी का शरीर फांसी के फन्दे पर लटका नजर आया। लोगो की मदद से परिजन उसे फौरन ही उतारकर इलाज के लिये जेके अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन के बाद शव को पीएम के लिये भेज दिया। शुरुआत में यह जानकारी सामने आई है की वैष्णवी बीते कई सालो से मानसिक बीमारी से जुझ रही थी।

यूरोपीय देशों ने दी यूक्रेन को 40000 करोड़ रुपए की मदद

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों सारे देश और दुनिया में चर्चा का विषय बने हुए हैं। ट्रंप जिस तरह से अमेरिका की नीतियों और यूरोपीय देशों की उपेक्षा करते हुए अपने व्यापारिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं, उसके कारण अमेरिका और यूरोप के देशों में ट्रंप के खिलाफ रोष देखने को मिल रहा है। जिसका व्यापक असर अमेरिका के राज्यों और यूरोपीय देशों के बीच दिखना शुरू हो गया है। ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ किया है, उसे यूरोप और नाटो देशों ने पसंद नहीं किया। अमेरिका से जेलेंसकी के लंदन लौटने के बाद ब्रिटेन में 27 देशों के प्रतिनिधि यूक्रेन के समर्थन में होने वाली बैठक में शामिल हुए। सभी देशों ने मिलकर युद्धग्रस्त यूक्रेन की सहायता करने के लिए 40000 करोड़ रुपए की तुरंत सहायता यूक्रेन को देने की घोषणा की। यूरोप और नाटो संगठन के देशों में प्रतिबंध के बाद रूस के लगभग 40000 करोड रुपए यूरोपीय देशों के पास जमा थे। उस पैसे को तुरंत यूक्रेन को मदद के रूप में देने का फैसला यूरोप के देशों ने किया। इसे एक ऐतिहासिक फैसला माना जा सकता है। यूरोप को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसा निर्णय लेना पड़ा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रोकने के लिए जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफा शर्तें यूक्रेन के ऊपर लाद रहे थे, नाटो देशों को शांतिवार्ता में शामिल नहीं कर रहे थे, उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय जगत में देखने को मिली है। यूरोप के देश चाहते हैं, शांति प्रयासों में अमेरिका के साथ यूरोप के देशों को भी शामिल किया जाए। लंदन समिट में यूरोप के 44 देश के 24 नेता व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए थे। जो इस बात को पुख्ता करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच में जो शांति स्थापित करने की कोशिश की जा रही है, उसके लिए जो शांति प्रस्ताव तैयार कर गुंडागर्दी की जा रही है, वह उसका विरोध करते हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने यहां तक कह दिया, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों को हम अमेरिका के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। 14 करोड़ रुसी, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों पर जबरदस्ती नहीं कर सकते हैं। यूरोप के 44 देशों ने एकमत से प्रस्ताव पास किया है। वह रूस और अमेरिका के सामने सरेंडर नहीं करेंगे। अपनी लड़ाई खुद लड़ने में सक्षम हैं। यूरोप के देशों में रूस से ज्यादा गुस्सा अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर है। अमेरिका यूक्रेन और नाटो देशों के साथ जो समझौता हुआ था, उस समझौते से अमेरिका मुकर रहा है। जिसके कारण अब यूरोप के देश संगठित होकर यूक्रेन के साथ खड़े हो गए हैं। वैश्विक स्तर पर जो घटना देखने को मिल रही है। उसके बाद यही कहा जा सकता है, कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द ही यूरोप और नाटो देशों के साथ वार्ता नहीं की, तो अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ सकता है। पिछले दो माह में जिस तरह के निर्णय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिए हैं, उसके कारण अमेरिका के राज्यों में भी डोनाल्ड ट्रंप के प्रति विद्रोह शुरू हो गया है। एलन मस्क के खिलाफ अमेरिका में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। उप राष्ट्रपति बेंस के खिलाफ भी आंदोलन प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्थिति अमेरिका में कमजोर हो रही है। अमेरिका में यह आमराय बनती चली जा रही है, डोनाल्ड ट्रंप अपने मित्र एलन मस्क के साथ मिलकर व्यापारिक एजेंडा पूरा कर रहे हैं। जिसके कारण अमेरिकी हितों को नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने जिस तरह से क्रिप्टो करेंसी को बढ़ावा देना शुरू किया है। उन्होंने खुद की क्रिप्टो केरंसी जारी की है। जिसके कारण अमेरिकी डॉलर के ऊपर सबसे ज्यादा प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। दुनिया भर के देश डॉलर का विकल्प ढूंढ रहे हैं। ऐसी स्थिति में आने वाले समय में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। यही कहा जा सकता है।

वाई-फाई की तरह सोलर पैनल का इस्तेमाल कर भी डाटा भेजा जा सकेगा

वाई-फाई की तरह सोलर पैनल का इस्तेमाल कर भी डाटा भेजा जा सकेगा। यह सुविधा सेना और दूरदराज व ग्रामीण इलाकों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

आईआईआईटी ने विकसित की तकनीक

इसके लिए पॉलीक्रिस्टलाइन सोलर पैनल का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो आमतौर पर छतों पर लगाए जाते हैं। जहां भी डाटा भेजा जाएगा, वहां एलईडी और सामान्य बल्ब का इस्तेमाल कर डाटा प्राप्त किया जा सकेगा। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग ने यह तकनीक विकसित की है।

तीन साल से हो रहा इस तकनीक पर काम

विज्ञान की भाषा में इसे वाईफाई कहते हैं। बहुत जल्द इस तकनीक की पेटेंट प्रक्रिया को भी मंजूरी मिल जाएगी। तीन साल से इस तकनीक पर काम हो रहा है। लास्ट माइल कनेक्टिविटी यूजिंग सोलर पैनल एज ए डाटा रिसीवर नाम से किए जा रहे शोध को संस्थान के इनोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के प्रमुख प्रो. विवेक ए बोहरा और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन वाईफाई की उनकी टीम ने पूरा किया है, जिसमें दो छात्र संजय सिंह और रवि सैनी शामिल हैं। तकनीक पर काम कर रहे मुख्य शोधकर्ता राहुल ने बताया कि ट्रांसमीटर और रिसीवर दोनों को डाटा भेजने में सक्षम बनाने के लिए एनालॉग सर्किट तैयार किया गया है। इसे सोलर पैनल के पीछे लगाया गया है। जहां से डाटा भेजा जा रहा है, वहां एक एलईडी के पीछे सर्किट लगाकर डाटा प्राप्त किया जा सकता है।

फिलहाल 10 मीटर के दायरे में होगा इस्तेमाल

10 मीटर के दायरे में डाटा ट्रांसफर किया जा सकेगा - फिलहाल इसका इस्तेमाल 10 मीटर के दायरे में वाईफाई की तरह किया जा सकेगा। इसकी रेंज बढ़ाने पर भी काम हो रहा है। राहुल ने बताया कि सबसे अहम चीज इंटरनेट की स्पीड है। जब तकनीक पर काम शुरू किया गया था, तब 1.5 एमबीपीएस की स्पीड मिल सकती थी।

स्पीड 18.8 एमबीपीएस तक

इसमें खास बैंडविड्थ इनहैंसमेंट सर्किट (बीईएस) का इस्तेमाल किया गया और अब इसकी स्पीड 18.8 एमबीपीएस तक मिल रही है। सोलर पैनल की बैंडविड्थ यानी फ्रीक्वेंसी कम होती है। इसलिए इसे बढ़ाने की जरूरत है। अगर सामान्य की जगह ऑर्गेनिक और पेरोवस्काइट सोलर पैनल का इस्तेमाल किया जाए, तो बेहतर तरीके से डाटा भेजा जा सकेगा। इनकी क्वालिटी बेहतर होती है। ऑर्गेनिक सोलर पैनल का इस्तेमाल कर मोबाइल कवर पर छोटा सा एनालॉग सर्किट लगाकर दुनिया में कहीं भी डाटा का आदान-प्रदान किया जा सकेगा।

सैन्य क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी

प्रो. विवेक बोहरा ने कहा, सैन्य क्षेत्र में इस तकनीक का प्रयोग काफी मददगार होगा। क्योंकि कई जगह ऐसी हैं, जहां कृत्रिम बिजली उपलब्ध नहीं है। वहां सूर्य की रोशनी का उपयोग कर महत्वपूर्ण आंकड़ों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने भारत नेट जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्राम पंचायतों तक इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक का उपयोग करके सिर्फ ग्राम पंचायत ही नहीं, हर घर में इंटरनेट की सुविधा होगी।

सुपर हिट ऑफ द वीक

श्रीमान जी ने श्रीमती जी से पूछा बताओ...
'हिम्मत-ए-मर्दा तो मदद-ए-खुदा' का मतलब क्या होता है?
जो अपनी बीवी के सामने मर्द बनने की हिम्मत करता है, उसकी मदद फिर खुदा ही कर सकता है। श्रीमती जी के उत्तर था।

इंतिहा हो गई इंतजार की, आई ना कुछ खबर ...

चैतन्य भट्ट

अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत फिल्म, शराबी का एक गाना बड़ा मशहूर हुआ था जिसके बोल थे इंतहा हो गई प्यार की आई ना कुछ खबर मेरे यार की उसी

तर्ज पर भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता जिन्हें अभी तक कुछ नहीं मिल पाया है निगम मंडलों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य बनने की इंतजार में लंबे अरसे से अपनी आंखें गड़ाए बैठे हैं।

बहुत लंबा वक्त हो गया जब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नवाजे गए निगम मंडलों के अध्यक्षों को डॉक्टर साहब ने एक ही झटके में हटा दिया था दूसरों को ये आशा बंधी थी कि जिनको हटाया गया है तो अब अपना नंबर भी आ सकता है एक साल हो गए डॉक्टर साहब की सरकार को लेकिन अभी तक इन तमाम नेताओं का इंतजार खत्म नहीं हो पा रहा है। रोज सुबह से एक ही बात की प्रतीक्षा रहती है कि खबर आ जाए कि आपको निगम का या मंडल का अध्यक्ष या उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, और आपको कैबिनेट मंत्री या राज्य मंत्री का दर्जा दे दिया गया है लेकिन सुबह से रात हो जाती है कोई खबर नहीं आती, आशा निराशा में बदल जाती है फिर दूसरे दिन वही इंतजार होता है और यही इंतजार पिछले बारह महीनों से वे तमाम नेता कर रहे हैं जो इन कुर्सियों पर बैठने के लिए लालायित हैं लेकिन ये राजनीति भी बड़ी ही निर्मम चीज है, कितनी मेहनत करता है आदमी तब जाकर पार्टी के बड़े नेताओं के नजर उस पर पड़ती है लेकिन नजर एक है और जिन पर पड़ना है उनकी संख्या हजारों में है अब ऐसे में किसी एक को छांटें भी तो कैसे छांटें? ये भी तो मुश्किल है हर नेता उस नजर के करीब जाना चाहता है अब वह उस नजर पर डिपेंड करता है कि वह किस पर अपनी नज़रें गडा दे।

अब तो सरकार भी चार साल और चलने वाली है कम से कम उन लोगों को कुछ तो दे दे भाई, जो बेचारे रात दिन मेहनत कर करके आपकी पार्टी को सत्ता में लाए हैं जय जयकार करना, झंडा बैनर उठाना, एक-एक घर जाकर भाजपा को वोट देने की बात करना ये तमाम काम उन्हीं नेताओं ने किए हैं जो आपकी पार्टी के समर्पित कार्यकरता हैं लेकिन अब वे भी चाहते हैं कि उन्हें भी कुछ ना कुछ ऐसा मिल जाए कि वे अपनी गाड़ी की नंबर प्लेट के साथ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री या राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त लिखवा सकें, कई नेताओं ने गाड़ी की नंबर प्लेट पर लिखवाने का का ऑर्डर भी दे दिया है कि न जाने कब आदेश आ जाए और उन्हें सिर्फ नंबर प्लेट वाली गाड़ी में ही चलने के लिए मजबूर होना पड़े पहले से नंबर प्लेट पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष का नाम होगा तो इधर आदेश आएगा उधर नंबर प्लेट बदल दी जाएगी, लेकिन दिक्कत यही है कि ऊपर वाले सुन नहीं रहे हैं वे अपने में मस्त है और ये बेचारे इंतजार में त्रस्त। अपनी इन तमाम नेताओं को एक ही सलाह है कि भैया धीरज रखो धीरज का फल हमेशा से ही मीठा होता है और कहा भी गया है धीरज धर्म मित्र अरू नारी आपातकाल परखिए चारी। धीरज रखो ये आपातकाल है कभी ना कभी खत्म होगा और आपके माथे पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष का तमगा लग ही जाएगा।

उन्नति से इतनी परेशानी क्यों

ईओडब्लू वाले हों या फिर लोकायुक्त वाले इनका एक ही काम है जो भी व्यक्ति उन्नति करता है उस पर ये छापा डाल देते हैं अब देखो ना इंदौर नगर निगम के राजस्व अधिकारी राजेश परमार के घर इन लोगों ने छापा मार दिया करोड़ों की संपत्ति का पता लगा है, इनके पास। ये भाई साहब पहले नगर निगम में बेलदारी करते थे आगे बढ़ते बढ़ते राजस्व अधिकारी बन गए जांच एजेंसियों को ये सोचना था कि कितना मेहनती इंसान है ये, बेलदार से कितनी ऊंची पोस्ट राजस्व अधिकारी तक पहुंच गया कितने जतन नहीं किए होंगे, कितने लोगों की सेवा नहीं की होगी तब जाकर इतनी उन्नति प्राप्त की होगी लेकिन ये विघ्न संतोषी जांच एजेंसी तो किसी को नहीं छोड़ती। इनको तो उसका सम्मान करना था उसकी मेहनत का, उसकी लगन का कि एक आदमी जो बेलदार था वो अब राजस्व अधिकारी बन गया, और फिर अब जिसके पास राजस्व होगा तो उसके पास तो पैसा अपने आप आएगा। अगर आठ दस करोड़ रूपया मिल भी गया तो ऐसा कौन सा फर्क पड़ने वाला है यहां तो दैनिक वेतन भोगी के पास भी तीन करोड़ की संपत्ति मिली है तो जब दैनिक वेतन भोगी तीन करोड़ कमा सकता है तो फिर राजस्व अधिकारी ने अगर आठ दस करोड़ कमा भी लिए तो इसमें कोई अचरज नहीं होना चाहिए। अपना तो मानना है कि ऐसे करतब बज बेलदार को जो देखते-देखते बेलदार से राजस्व अधिकारी बन गया उसका नागरिक अभिनंदन होना चाहिए और उससे यह भी सीक्रेट पूछना चाहिए कि आखिर उसने इतनी उन्नति की तो की कैसे ताकि दूसरे लोगों को भी उन्नति करने की शिक्षा मिल सके।

जैसे को तैसा मिल गया

बड़े मजे की बात है बुरहानपुर जिला अस्पताल में एक भाई साहब जो वहां पर बाबू थे उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और वे सस्पेंड भी हो गए थे यानी भ्रष्टाचार कैसे किया जाता है इस बारे में वे पूरी तरह से रचे पचे थे लेकिन कहते हैं ना जो कर्म आप करते हो उसका फल यहीं मिल जाता है तो वे जब अपने किसी काम से अपने दफ्तर गए तो वहां पर लेखपाल राधेश्याम चौहान ने उनसे ही रिश्वत मांग ली जाहिर है जो व्यक्ति भ्रष्टाचार के आरोप में सस्पेंड हुआ हो गिरफ्तार हुआ हो उससे कोई पैसा मांगे यह वो कैसे सहन कर सकता था जो हक उसका था वह कोई दूसरा ले ले ये उसे कदापि मंजूर नहीं था सो हुजूर ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से कर दी लोकायुक्त में भी एक झटके में लेखपाल जी को अपने गिरफ्त में ले लिया। अपने को तो समझ में नहीं आता कि लेखपाल जी कितनी कमजोर बुद्धि के थे, अरे भाई जो व्यक्ति भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार हुआ हो, सस्पेंड हुआ हो उससे भ्रष्टाचार करके रिश्वत मांग रहे थे कुछ तो सोच लेते कितना पुराना अनुभवी व्यक्ति है, उसके अनुभव का लाभ न लेकर उसी से माल काटने की कोशिश करने लगे, अब लोकायुक्त के चक्कर में फंसे हो तो फंसे रहो, इसलिए कहते हैं कि जिस भी रिश्वत मांगो पहले उसका पूरा कच्चा चिट्ठा जान लो वरना जैसा हाल राधेश्याम जी का हुआ था हुआ है वैसा ही हाल उसका भी हो सकता है जो बिना कच्चा चिट्ठा जाने किसी से रिश्वत मांग ले।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएं

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा।

डॉ सत्यवान सौरभ

संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुक़सान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफ़ी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों।

ज़ेलेस्की व डोनाल्ड ट्रंप सबके सामने आपस में भिड़े, पूरी दुनिया हैरान!

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश को अपने देश के नागरिक जीवन को चलाने के लिए अनेक क्षेत्रों में अनेक देशों के सामर्थ्य अनुसार सहयोग पाना बहुतजरूरी होता है जो, आर्थिक सामाजिक स्वास्थ्य सुरक्षा सहयोग वित्त उधार इत्यादि अनेक रूपों में हो सकता है, जिसके लिए उन देशों के प्रमुख या डेलिगेशन का आपस में बैठकर विचार विमर्श कर साइन करना एक सामान्य प्रक्रिया है।

जैसे हम एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता व्यवस्था या नियमानुसार प्रक्रिया की संज्ञा दे सकते हैं और उच्च स्तरीय मामलों पर एक या अधिक देशों के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति आपस में बैठकर डील करते हैं जो एक सामान्य बात है, जिसमें एक देश मेजबान होता है और दूसरा एक या अधिक देश मेहमान होते हैं, जिसे हम भारत में अतिथि देवो भव कहते हैं। यानें वह मेहमान हमारे लिए भगवान के बराबर होता है जिसकी हम जी भरकर सेवा करते हैं। यह बातें आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि जैसा कि पहले से ही फिक्स था कि यूक्रेन के राष्ट्रपति की शुक्रवार दिनांक 28 फरवरी 2025 को देर रात्रि अमेरिका के राष्ट्रपति से बैठक थी, जिसके जो खनिज संसाधनों पर चर्चा के लिए निश्चित थी परंतु वहां दोनों की बातचीत ऐसे स्तरपर पहुंच गई कि मेजबान-मेहमान की मर्यादा हदें पार कर दी गई, दोनों राष्ट्रपतियों की भिड़ंत ऐसी हुई कि मर्यादा की सभी हदें ऐतिहासिक स्तरपर पार कर दी गई स्टुपिड प्रेसिडेंट व गेट आउट जैसे शब्दों का प्रयोग पूरी दुनियाँ सुनकर स्तब्ध व हैरान रह गई है। मैं भी मीडिया चैनलों पर चल रही पूरी बातचीत जो अंग्रेजी भाषा में चल रही है, सुनकर स्तब्ध रह गया क्योंकि पिछले 45 वर्षों से मैं मीडिया लाइन में हूं तो कभी भी इस तरह काव्यवहार व माहौल नहीं देखा, पूरी दुनियाँ के साथ मैं भी स्तब्ध हूं कि ऐसा कैसे हो सकता है? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, व्हाइट हाउस में इतिहास में पहली बार हाई वोल्टेज ड्रामा - ज़ेलेस्की व ट्रंप सबके सामने आपस में भिड़े-पूरी दुनियाँ हैरान! दुनियाँ के इतिहास में पहली बार मेज़बान व मेहमान राष्ट्रपति ऑन द कैमरा हदें पार शाब्दिक भिड़ंत-मिर्ज़ा ग़ालिब का शेर बहुत बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले सटीक साबित हुआ। साथियों बात अगर हम अमेरिकी व यूक्रेनी राष्ट्रपति के बीच दिनांक 28 फरवरी 25, 2025 को ऐसी ऐतिहासिक भिड़ंत हो गई जिसकी उम्मीद पूरी दुनियाँ को दूर-दूर तक नहीं थी पूरा व्रिव हैरान है। अमेरिकी राष्ट्रपति और यूक्रेनी राष्ट्रपति के बीच व्हाइट हाउस में जो हुआ, वो वाकई में इतिहास में शायद पहली बार देखने को मिला. ओवल ऑफिस में एक हाई-प्रोफाइल मीटिंग के दौरान ट्रंप और ज़ेलेंस्की के बीच इतनी गरमागरम बहस हुई कि ट्रंप ने ज़ेलेंस्की को कुछ बोलकर बाहर निकाल दिया, ये वाकया इंटरनेशनल मीडिया में तहलका मचा रहा है और दुनियाँ भर से इस पर जबरदस्त रिएक्शन आ रहे हैं। ज़ेलेंस्की और ट्रंप के बीच ये मुलाक़ात यूक्रेन में शांति और वहां के खनिज संसाधनों की डील पर चर्चा के लिए रखी गई थी, मीटिंग के दौरान ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर ये दबाव डाला कि वे रूस के साथ शांति वार्ता करें, जब ज़ेलेंस्की ने कहा कि वे यूक्रेनी हितों के खिलाफ कोई समझौता नहीं करेंगे, तो ट्रंप को गुस्सा आ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने ज़ेलेंस्की को स्टुपिड प्रेसिडेंट तक कह दिया? और फिर गुस्से में उन्हें ओवल ऑफिस से गेट आउट कहकर निकाल दिया।

लोक मान्य विक्रम संवत् ही राष्ट्रीय पंचांग हो

अजय बोकिल

आजादी के बाद से ही यह बहस का विषय रहा है कि स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय पंचांग वो क्यों नहीं है, जो देश के अधिकांश हिस्से में लोकमान्य है। अर्थात् लोकमान्यता उस विक्रम संवत् की है, जिसे महाकाल

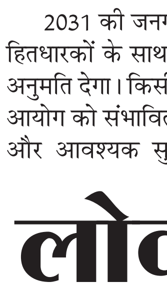

की नगरी उज्जयिनी के प्रतापी हिंदू राजा विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांत शकों को हराने की स्मृति को शाश्वत करने के ई.पू. 57 में चलाया था। लेकिन भारत का आधिकारिक राष्ट्रीय पंचांग वो शक संवत् है, जो शक राजा रूद्रदमन ने 58 ईस्वी में भारतीयों पर विजय के उपलक्ष्य में चलाया जाता है। कहा जाता है कि शक संवत् के पक्ष में विद्वानों का पलडा सिर्फ इसलिए झुका, क्योंकि ऐतिहासिक प्रमाण शक संवत् के पक्ष में ज्यादा थे। संभव है कि संवतारंभ की तिथि के हिसाब से शक संवत् के पक्ष में ज्यादा प्रमाण हो, लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रामाणिक होने के दावे के बाद भी शक संवत् जन पंचांग का हिस्सा क्यों नहीं बन पाया आज भी हिंदुओं के सभी तीज त्यौहार, संस्कार व ज्योतिष गणनाएँ ज्यादातर विक्रम संवत् के हिसाब से ही होती हैं न कि शक संवत् के हिसाब से। इसका भावार्थ यही है कि आज भी लोक मान्यता विक्रम संवत् की ज्यादा है बजाए शक संवत् की। ऐसे में भारत सरकार को राष्ट्रीय पंचांग के रूप में विक्रम संवत् को स्वीकार करने की दिशा में ठोस अकादमिक प्रयास करने चाहिए ताकि इस संवत् के रूप में हिंदू संस्कृति के जयघोष के साथ-साथ सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता के आग्रह की भी पुनर्प्रतिष्ठा हो। इसे और प्रामाणिक आधार देने के लिए नए ऐतिहासिक शोध और विद्वत चर्चा की मदद भी ली जा सकती है। शोध पत्रिका 'अधिगम' में प्रकाशित प्राचीन इतिहास के विशेषज्ञ डॉ. शिवकांत त्रिपाठी के अनुसार विक्रम संवत् भारत के अनेक संवतों में सर्वाधिक जीवनी शक्ति के रूप में उपस्थित रहा और आज भी प्रयोग में है। समूचे उत्तर भारत में तो यह जन्म से लेकर अंत तक प्रयुक्त होता है। डॉ. प्रशांत पुराणिक के अनुसार चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य द्वारा प्रवर्तित विक्रम संवत् ही हमारा राष्ट्रीय संवत् है। इतिहासकारों का मानना है कि विक्रमादित्य ने शकों को हराकर भारत को विदेशी शासकों से मुक्ति दिलाई थी। इसकी शुरूआत 57 ईसापूर्व हुई। यह संवत् चंद्रमा पर आधारित है। अत- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ विक्रम संवत् को ही हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ भी कहा जाता है। यह संवत् बंगाल को छोड़कर पूरे भारत में प्रचलित है। डॉ. पुराणिक के अनुसार आरम्भिक शिलालेखों में इसका उल्लेख कृत संवत् और मालव संवत् के रूप में भी हुआ है। मोटे तौर पर मान्यता यही है कि सम्राट विक्रमादित्य ने ईसा पूर्व 57 में इसका प्रचलन शुरू कराया था। कुछ लोग ईसवी सन 78 और कुछ लोग ईसवी सन 544 से भी इसका प्रारम्भ मानते हैं। फारसी ग्रंथ कलितौ दिमन: में पंचतंत्र का एक पद्य शशिदिवाकरयोर्ग्रहपीडनम्‌ का भाव उद्धृत है। कुछ विद्वान कृत संवत को विक्रम संवत् का पूर्ववर्ती मानते हैं। अर्थात् विक्रम संवत् को पहले कृत संवत् के नाम से जाना जाता था। लेकिन कृत शब्द के प्रयोग की सन्तोषजनक व्याख्या नहीं की जा सकी है। कुछ शिलालेखों में मालवगण का संवत् उल्लिखित है, जैसे- नरवर्मा का मंदसौर शिलालेख। इसमें कृत एवं मालव संवत् एक ही कहे गए हैं। हो सकता है कि कृत संवत् ही मालवा में मालव संवत् के नाम से जाना गया हो।

राजस्थान के बरनाला में मिले एक प्राचीन में 'विक्रम संवत' का उल्लेख है। भविष्य पुराण के प्रतिसर्ग पर्व के अनुसार उज्जैन के परमार वंश के राजा गंधर्वसेन के दूसरे पुत्र का नाम विक्रमादित्य था, जिनका जन्म 102 ई.पू. में हुआ था तथा देहांत ईसवी सन् 15 में हुआ। विक्रम संवत् का एक महत्वपूर्ण उल्लेख गुजरात के काठियावाड़ के ओखामंडल के पूर्व राजा जयकदेव के शिलालेख में मिलता है। इस शिलालेख के स्थापना वर्ष में विक्रम संवत् 794 का उल्लेख है, जो ईस्वी सन् के हिसाब से वर्ष 737 होता है। भारत में मुस्लिम शासकों के सत्ता पर काबिज होने तक देश में मुख्य रूप से विक्रम और शक संवत् ही प्रचलन में थे। बौद्ध साहित्य में भी इसका उल्लेख मिलता है। नेपाल के पूर्व राणा राजवंश ने 1901 में विक्रम संवत् को ही नेपाल के अधिकृत हिंदू कैलेंडर के रूप में मान्य किया था।

वर्तमान में भारत में ग्रिगोरियन कैलेंडर (जोकि अंतरराष्ट्रीय रूप से मान्य है) के अलावा शक संवत् और विक्रम संवत। इनमें से भारतीय पंचांग के रूप में केवल शक संवत् को ही मान्यता दी गई है। इसके पीछे तर्क यही है कि इसके प्रारंभ की तिथि और इतिहास ज्यादा प्रामाणिक है। राष्टवादी इतिहासकारों का मानना है कि भारत सरकार को शक संवत् के बजाय केवल विक्रम संवत् को ही आधिकारिक रूप से मान्य करना चाहिए। वैसे हिंदू धर्म में कई पंचांग (कैलेंडर) प्रचलित हैं, लेकिन जो सर्वाधिक मान्य है, वह विक्रम और शक संवत् ही हैं। वैसे भारत में विक्रमादित्य नाम से और भी सम्राट हुए हैं, क्योंकि विक्रमादित्य एक उपाधि थी। इतिहासकार राजबली पांडेय, कैलाशचंद जैन आदि ने विक्रमादित्य को उज्जैन स्थित मालवा का सम्राट माना है, जिसने सिन्ध से घुसकर मालवा पर हमला करने वाले शकों को रोका। इस पराक्रमी विक्रमादित्य (चंद्रगुप्त विक्रमादित्य नहीं) का उल्लेख कई पारंपरिक कथा साहित्य में मिलता है, जिसमें 'बेताल पच्चीसी' और सिंहासन बत्तीसी' अहम है। 12वीं सदी में कल्हण द्वारा लिखी गई 'राजतरंगिणी' में उल्लेख है कि उज्जैन के राजा हर्ष विक्रमादित्य ने शकों को पराजित किया था। इसी विक्रमादित्य ने अपने मित्र मातृगुप्त को उस समय कश्मीर का शासक नियुक्त किया था।

विक्रम संवत् का प्रारंभ ईसा से 57 वर्ष पूर्व से माना जाता है। भारत के अलावा यह पंचांग नेपाल में भी मान्य है। बल्कि नेपाल का तो यह राष्ट्रीय पंचांग ही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब नेपाल में राष्ट्रीय पंचांग माना गया है तो भारत में इसे राष्ट्रीय पंचांग स्वीकार करने में कौन सी बाधा है विक्रम संवत् का आरंभ गुजरात में कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से और उत्तर भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। माना जाता है कि वर्ष में 12 माह और 7 दिन का एक सप्ताह मान्य करने का प्रारंभ विक्रम संवत् से ही हुआ। महीने का हिसाब सूर्य व चंद्रमा की गति पर आधारिक है। ये बारह राशियाँ ही 12 सौर मास हैं। जिस दिन सूर्य जिस राशि में प्रवेश करता है उसी दिन संक्रान्ति होती है। पूर्णिमा के दिन, चन्द्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उसी आधार पर महीनों का नामकरण हुआ है। चंद्र वर्ष, सौर वर्ष से 11 दिन 3 घटी 48 पल छोटा है, इसीलिए प्रत्येक 3 वर्ष में इसमें 1 महीना जोड़ दिया जाता है। जिसे 'अधिक मास' कहते हैं। जिस दिन नव संवत् का आरम्भ होता है, उस दिन के वार के अनुसार वर्ष के राजा का निर्धारण होता है। उदाहरण के लिए 18 मार्च को विक्रम संवत् 2074 का प्रथम दिन था। शुभोमय दास के अनुसार भारत में आजादी के बाद तक 30 अलग-अलग हिंदू पंचांग प्रचलन में थे। ये सभी ज्योतिषीय गणनाओं और स्थानीय कालनिर्णायकों के हिसाब से बनाए जाते थे। ये कैलेंडर हिंदुओं के अलावा बौद्धों, जैनों और सिखों में भी मान्य थे। जबकि सरकारी कामकाज ग्रिगोरियन कैलेंडर के हिसाब से होता था। 1957 में भारत सरकार ने एक 'पंचाग सुधार समिति' गठित की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

ग्वालियर के विकास में कोई कमी नहीं रहने देंगे, साढ़े 11 करोड़ से अधिक की सीमेंट कंक्रीट सड़क का भूमिपूजन

केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर शहरों के विकास के लिये तेजी से कार्य कर रही हैं

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

एवं प्रदेश सरकार के माध्यम से ग्वालियर शहर का तेजी से विकास हो रहा है। ग्वालियर के विकास में नए आयाम जुड़ रहे हैं। ग्वालियर विकास के लिये हम सब मिलकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात सोमवार को ट्रांसपोर्ट नगर में 11 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सीमेंट कंक्रीट सड़क के भूमिपूजन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह, महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, क्षेत्रीय पार्षद मनोज सिंह यादव, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर में मुख्य सड़क के सीमेंट कंक्रीट सड़क के लिये केन्द्र सरकार द्वारा विशेष निधि से 19 करोड़ रूपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से सड़क का कार्य किया जायेगा। सड़क निर्माण के साथ ही यातायात नगर की अन्य सड़कों के निर्माण का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के द्वारा भी ट्रांसपोर्ट नगर की सड़क निर्माण के लिये व्यापारियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जिस शहर का आवागमन अच्छा होगा, वहाँ व्यापार भी बढ़ेगा और लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस दृष्टि से भी ग्वालियर में विकास के अनेक कार्य हुए हैं। नए एयरपोर्ट का निर्माण हो, रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार और एलीवेटेड रोड के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण के लिये केन्द्र सरकार के माध्यम से 19 करोड़ रूपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जा रहा है। सड़क निर्माण के पश्चात जो राशि बचेगी, उस राशि का उपयोग भी ट्रांसपोर्ट नगर के विकास में किया जायेगा। सांसद कुशवाह ने कहा कि केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार दोनों मिलकर शहरों के विकास के लिये तेजी से कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि ग्वालियर-आगरा 6 लेन सड़क निर्माण, वेस्टर्न बायपास का कार्य भी हो रहा है। आवागमन की दृष्टि से ग्वालियर बहुत ही समृद्ध है।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मित्तल ने की नेशनल लोक अदालत की तैयारियों समीक्षा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय का भी किया निरीक्षण

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के सदस्य सचिव प्रदीप मित्तल ने जिला मुख्यालय के न्यायाधीशों के साथ बैठक कर 8 मार्च को आयोजित होने जा रही नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने न्यायाधीशों को व्यक्तिगत रूचि लेकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराकर नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर 8 मार्च को संपूर्ण भारत में इस साल की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रकृति के लंबित एवं पूर्व वाद प्रकरणों का निराकरण होगा। ग्वालियर जिले में भी 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के आयोजन को लेकर तत्पश्चात सदस्य सचिव प्रदीप मित्तल द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश अशरफ अली, जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रियंक भारद्वाज सहित समस्त न्यायाधीश, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा आदि उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने मामले अधिक से अधिक संख्या में नेशनल लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करवाकर नेशनल लोक अदालत के लिए प्रावधनित छूट का लाभ प्राप्त करें।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड-12 में किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

उपनगर ग्वालियर निरंतर विकास की तरफ बढ़ रहा है

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर के वार्ड 12 में 93 लाख 37 हजार रूपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया और कहा कि उपनगर ग्वालियर निरंतर विकास की तरफ बढ़ रहा है। प्रत्येक वार्डों में विकास कार्य तेजी के साथ कराए जा रहे हैं और जहां भी कार्यों की आवश्यकता है प्राथमिकता के साथ कराए जाएगें, विकास कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री तोमर ने वार्ड 12 में 10 लाख 86 हजार रूपये की लागत से रसूलाबाद केला देवी मंदिर के पास सीसी रोड निर्माण, 17 लाख 30 हजार रूपये की लागत से रसूलाबाद लाइन नंबर 13 के पीछे नाला रिनोवेशन कार्य, 17 लाख 58 हजार रूपये की लागत से लाइन नंबर 14 में बाउंड्री वॉल एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य, 9 लाख 04 हजार रूपये की लागत से पाताली हनुमान के पास बालक दास वाली गली में सीसी रोड निर्माण कार्य, 13 लाख 92 हजार रूपये की लागत से सुभाष नगर में नई बाउंड्री वॉल सीसी रोड निर्माण कार्य, 6 लाख 33 हजार रूपये की लागत से सुभाष नगर तिकोनिया पार्क के कार्य एवं नाली मरम्मत कार्य, 8 लाख 52 हजार रूपये की लागत से रसूलाबाद श्याम मंदिर इंटक मैदान सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।

सांसद कुशवाह ने मुरैना जिले में पहुंचकर चंबल पेयजल प्रोजेक्ट के कार्यों का किया अवलोकन

कलेक्टर चौहान एवं निगम आयुक्त संघ प्रिय के साथ विस्तार से लिया कार्यों का जायजा

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर शहर की दीर्घकालिक पेयजल व्यवस्था के लिये सबसे महत्वपूर्ण 458 करोड़ रूपए लागत के चंबल प्रोजेक्ट के कार्यों का मुरैना जिले में चल रहे कार्यों का अवलोकन करने ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह सोमवार को कलेक्टर रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के साथ पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों को चंबल प्रोजेक्ट के कार्य तेजी से पूर्ण करने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर ग्वालियर ग्रामीण के अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, जिला प्रशासन एवं नगर निगम के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने मुरैना जिले के जड़ेरूआ में चंबल प्रोजेक्ट के लिये पाइपलाइन फैक्ट्री में निर्माणाधीन पाइपों का भी अवलोकन किया। इसके साथ ही देवरी में बनाए जा रहे संपवेल का भी अवलोकन कर चंबल योजना के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि बरसात से पूर्व संपवेल की एप्रोच रोड का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया जाए। सांसद कुशवाह ने जड़ेरूआ में स्थित पाइप निर्माण फैक्ट्री के अवलोकन के मौके पर पाइपों को क्रेशर के माध्यम से चैक कराकर भी देखा। इसके साथ ही गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर रुचिका चौहान ने चंबल प्रोजेक्ट के कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग करने की बात कही। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने चंबल प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

सेना के हित व सिविल एरिया के लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर विलय का प्लान बनाएं

मुरार छावनी के स्टेशन कमाण्डर, कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त हुए बैठक में शामिल

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

छावनी क्षेत्र में सेना के हित सुरक्षित रहें, साथ ही यहाँ के सिविल एरिया में निवासरत नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधायें मिलने का मार्ग प्रशस्त हो। इस बात को ध्यान में रखकर छावनी क्षेत्र के सिविल एरिया को नगर निगम में शामिल करने के प्रस्ताव को आगे बढ़ाएं। यह बात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने सोमवार को सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, जिला प्रशासन, नगर निगम व छावनी बोर्ड के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कही।

मुरार छावनी में आयोजित हुई इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत, कलेक्टर मती रुचिका चौहान, छावनी क्षेत्र मुरार के स्टेशन कमाण्डर ब्रिगेडियर डी बी सिंह व कर्नल अमित शर्मा, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, छावनी बोर्ड के सीईओ आकाश शर्मा, अपर आयुक्त नगर निगम विजय राज व एसडीएम अशोक चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। सांसद कुशवाह ने कहा कि राज्य शासन एवं भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय स्तर पर छावनी क्षेत्र मुरार के सिविल एरिया को ग्वालियर नगर निगम में शामिल करने के संबंध में उनकी ओर से पुरजोर प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि नगर निगम में शामिल होने के बाद मुरार छावनी क्षेत्र के सिविल एरिया के निवासियों को प्रधानमंत्री आवास, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वरोजगार के लिये आर्थिक मदद, मकान बनाने के लिये बैंको से लोन एवं सरकार की तमाम जनकल्याणकारी व विकास योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। साथ ही यहाँ की बस्तियों में सीवर, पेयजल व स्ट्रीट लाइट समेत तमाम बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार होगा। यहाँ के निवासियों को भवन निर्माण की अनुमति भी आसानी से मिलने लगेगी। छावनी क्षेत्र के सिविल एरिया को ग्वालियर नगर निगम में शामिल करने से संबंधित सेना व नगर निगम की अपेक्षाओं को बैठक में साझा किया गया।

हेलमेट लगाकर बाइक चलाने वालों को कलेक्टर, एसपी ने गुलाब देकर और फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया

सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाने हेलमेट लगाओ अभियान

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने आज सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने के लिए हेलमेट लगाओ अभियान अंतर्गत जन जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया है। उन्होंने आज सोमवार को एनसीसी और पुलिस के साथ विदिशा नगर की सब्जी मंडी क्षेत्र से गुजरने वाले दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने की समझाईश दी। इस दौरान उन्होंने हेलमेट लगाकर वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों को रोककर गुलाब दिया और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करने वाले चालकों से कलेक्टर व एसपी द्वारा संवाद कर प्रशंसा भी की गई है। साथ ही साथ उन्होंने जिन वाहन चालकों के द्वारा स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चलाए जा रहे थे उन्हें भी गुलाब दिया और समझाईश दी है कि वह अब आगे से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाएं। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा हेलमेट लगाओ अभियान के अंतर्गत आज सब्जी मंडी क्षेत्र में जिन दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा हेलमेट लगाकर वाहन चलाया गया उनमें विट्ठल नगर विदिशा निवासी विक्रम ठाकुर, भोपाल निवासी नाथूराम प्रजापति, विदिशा निवासी रवि शंकर धाकड़, दुर्गा नगर विदिशा निवासी सचिन चंदेल और रायसेन से वाहन चलाकर विदिशा पहुंचे सत्यानंद गिरी शामिल हैं। इन सभी को कलेक्टर और एसपी के द्वारा गुलाब देकर और फूलमाला पहनाकर सम्मानित कर हेलमेट लगाने के साथ-साथ यातायात के नियमों का पालन करने के लिए उनकी प्रशंसा भी की है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने कहा है कि सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने के उद्देश्य से एवं दो पहिया वाहन चालक अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट अवश्य लगाएं।

कलेक्टर रौशन कुमार ने लंबित आवेदनों और नवीन शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा की

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार को विभिन्न विभागो में लंबित आवेदनो पर संबंधित विभागो के अधिकारियों द्वारा निराकरण के संबंध में की गई पहल की अद्यतन जानकारियां समीक्षा बैठक में प्राप्त की है। कलेक्टर सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरणो में किसी भी प्रकार की ढिलाई ना बरती जाए। उन्होंने इसी प्रकार की समीक्षाएं समस्त एसडीएमो को अपने स्तर पर करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर सिंह ने शासन की नवीन योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु स्थानीय स्तर पर रणनीति तय कर लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। कलेक्टर सिंह ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसरो पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमो व ततसंबंध में प्राप्त दिशा निर्देशो को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि छह वर्ष आयु तक का एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित ना रहें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि आंगनबाडी केन्द्रो में छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चे स्कूलो में दाखिल हो इसके लिए आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका स्कूलो से समन्वय स्थापित कर दाखिला संबंधी कार्यो की क्रास मानिटरिंग करें।

आम आदमी को जल से मतलब, आपूर्ति सुनिश्चित कराने का हमारा दायित्व, ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो : सिंह

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने पीएचई व जल मिशन के कार्यों की समीक्षा की समीक्षा की

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने पीएचई व जल मिशन के कार्यो की समीक्षा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान आम आदमी को जल से मतलब है आवश्यकता के अनुसार जल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व हमारा है। आंकडो से हम किसी निष्कर्ष पर तब पहुंच सकते है जब संबंधित ग्राम में रहवासियों को ग्रीष्मकाल में नल से घर में जल पहुंच रहा हो। ग्रीष्मकाल के दौरान जिले के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित नहीं होना चाहिए। कलेक्टर सिंह ने समीक्षा बैठक में कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल मिशन की ग्रामवार स्पष्ट प्लांनिग होना चाहिए और प्लानिंग के क्रियान्वयन हेतु क्या रणनीति तय की गई है। रणनीति की पूर्ति के लिए क्या संसाधन उपलब्ध है और किन संसाधनो की मांग की गई है और यह मांग कब तक पूरी होगी कि स्पष्ट जानकारी से ग्रामवासी भी अवगत हो। उन्होंने निर्धारित प्रपत्रों में दर्ज की जाने वाली जानकारी कालमवार सहज, सरल भाषा में हो ताकि प्रपत्रो में अंकित जानकारी से आम आदमी भी समझ सकें कि हमारे गांव का हेण्डपंप खराब है तो उसका कारण क्या है और कैसे सुधरेगा और आवश्यक सामग्री की पूर्ति कब कैसे होगी। ऐसी कार्यप्रणाली अपनाने से आमजनों का विश्वास विभाग के प्रति बढेगा। कलेक्टर सिंह ने ग्रीष्मकाल के दौरान पानी की पूर्ति सुविधाजनक हो, जिला व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के द्वारा कंट्रोलरूम संचालित किए जाएं। फील्ड की प्लानिंग जहां ज्यादा समस्या आती है वहां संसाधनो का भण्डारण पूर्व में सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर सिंह ने हैण्डपंपो के सुधार के लिए मैकेनिकों की जानकारियां ग्राम स्तर पर भी सुगमता से प्राप्त हो इसके लिए मैकेनिको को आवंटित ग्रामो की सूची संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रदर्शित हो। हेण्डपंप के संबंध में स्पष्ट स्थिति से अधिकारी भलीभांति अवगत हो। सामान्य खराबी से संबंधित हेण्डपंपो की समस्या नगण्य हो। ऐसे हेण्डपंप जिनका जल स्तर गिर गया है उन क्षेत्रो में वैकल्पिक स्त्रोतो के प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। कलेक्टर सिंह ने विकासखण्डवार स्थापित हेण्डपंप में से क्रियाशील, बंद होने के विभिन्न कारणो की पृथक-पृथक जानकारी प्राप्त की है। कलेक्टर सिंह ने पिछले वर्षो के अनुभवो के संबंध में जानकारी हासिल करते हुए कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान जल परिवहन की आवश्यकता के गांव चिन्हित किए गए है तो उन गांव में क्या समस्या है उसका समाधान क्या है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

कलर कोडिंग का उल्लंघन कर यातायात में बाधा डाल रहे ई-रिक्शे जब्त करें : कलेक्टर

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। कलर कोडिंग का उल्लंघन कर जो ई-रिक्शे शहर के यातायात को बाधित कर रहे हैं, उन्हें जब्त करें। शहर में अगले एक हफ्ते तक इसके लिये विशेष मुहिम चलाएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने यातायात पुलिस एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इस कड़ी में सोमवार को शहर में यातायात पुलिस ने सघन चैकिंग की गई। शहर में कलर कोडिंग का उल्लंघन कर चल रहे 18 ई-रिक्शे यातायात पुलिस द्वारा पकड़े गए हैं। इन सभी को पुलिस थानों में खड़ा कराया गया है। साथ ही चालान की कार्रवाई भी की गई है।

रेलवे स्टेशन पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कलेक्टर-एसपी ने लिया स्टेशन का जायजा

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। कुबेरेश्वर धाम पर आयोजित कथा के समापन के पश्चात श्रद्धालु अपने घर लौटने के लिए बड़ी संख्या में सीहोर के रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की अत्याधिक भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने सीहोर रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत हितग्राही सम्मेलन आयोजित

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन कि निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए क्लस्टर लेवल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा सके तथा आवासों का निर्माण समय सीमा में हो सके। सम्मेलन में मकान का नक्शा लेआउट सहित चरण दर चरण निर्माण की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में आष्टा जनपद के ग्राम कुरावर एवं खजूरिया कासम में 10 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों, सीहोर जनपद के श्यामपुर में 13 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों, इछावर जनपद के ग्राम बावड़ियाचौर एवं अबिदाबाद में 09 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों एवं भैरूंदा जनपद के ग्राम बोरखेड़ा कला में 11 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों को बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीहोर जिले को 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत सीहोर जिले में नवाचार कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के लिए जिले के प्रत्येक कलस्टर में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। आयोजित हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों एवं आमजनों को आवास योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी गई।

खुशियों की दास्तां- बहनों के लिए मददगार साबित हो रही लाड़ली बहना योजना

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार दो सौ पचास रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है। जिसे महिलाएं अपनी

आवश्यकतानुसार खर्च कर रही है। सीहोर निवासी कविता जोगी भी लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित महिलाओं में से एक है। कविता बतातीं हैं कि लाड़ली बहना योजना से मुझे जो राशि मिली है, उसे मैं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोग कर रही हूं। कविता कहतीं हैं कि अब मुझे अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी से पैसे नही मांगने पड़ते। उन्होंनें बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि मेरे लिए बहुत ही मददगार साबित हो रही है। लाड़ली बहना योजना के लिए कविता जोगी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

शासकीय सेवकों के एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट राशि खाते में जमा होगें

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाताओं के खातों में जमा करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अशंदायी पेंशन योजना में मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाता के खातों में जमा किये जायेगें। अभिदाताओं के खातों में मिसिंग क्रेडिट की राशि जमा करने के लिये 15 मार्च 2025 तक विशेष अभियान चलेगा। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इस संबंध में विभागीय स्तर पर निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा के पदों पर एक जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त होने वाले शासकीय सेवकों पर अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। इसमें शासकीय सेवकों के वेतन से कर्मचारी अंशदान एवं शासकीय अंशदान संबंधित के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नम्बर (प्रान) में जमा किया जाता है।

मैंने और देवेंद्र फडणवीस ने अपनी कुर्सियां बदली हैं और अजित की कुर्सी वही : शिंदे

महाराष्ट्र सीएम ने डिप्टी सीएम से विवाद की खबरों को किया खारिज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से विवाद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से मेरी कोई शिकायत नहीं की है। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत कहानी लिखने में बॉलीवुड के मशहूर लेखक सलीम-जावेद से कंपटीशन कर रहे हैं। सीएम फडणवीस सोमवार से शुरू हुए विधानसभा बजट सत्र से पहले डिप्टी सीएम शिंदे और अजित पवार के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोई युद्ध नहीं है। जो लोग हम दोनों को जानते हैं, वे यह भी जानते होंगे कि जब हम साथ होते हैं तो क्या करते हैं। हमलोग एकजुट होकर काम कर रहे हैं। डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि बस इतना हुआ है कि फडणवीस और मैंने अपनी कुर्सियां बदली हैं और अजित पवार की कुर्सी वही है। इस पर अजित पवार ने शिंदे से मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर आप अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए तो मैं क्या कर सकता हूं। इस पर तीनों जोर से हंसने लगे। शिंदे ने मीडिया से कहा कि आप जितनी भी मेहनत से ब्रेकिंग न्यूज बनाने की कोशिश करें, हमारा गठबंधन टूटने वाला नहीं है। इतनी तेज गर्मी में कोल्ड वार कैसे हो सकता है सब कुछ ठंडा-ठंडा, कूल-कूल है। इस पर शिंदे के बगल में बैठे फडणवीस मुस्कुराते नजर आए। सीएम एवं उनके सहयोगियों ने सांसद संजय राउत के दावे को खारिज कर दिया कि शिंदे ने सुबह 4 बजे पुणे में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर फडणवीस के खिलाफ शिकायत की थी।

मार्च के पहले सप्ताह में ही प्रकृति का तांडव हिमाचल में भारी बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

राज्य में अब भी 365 सड़कें और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर तीन मार्च को भारी बारिश और बर्फबारी के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 26, 27 और 28 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी और बारिश के प्रभाव के कारण तीन मार्च को चंबा, कांगड़ा और लाहौल एवं स्पीति के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। राज्य में अब भी 365 सड़कें और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं तथा 1,377 बिजली ट्रांसफार्मर और 269 जलापूर्ति व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि रविवार को भी सड़कों समेत अन्य क्षतिग्रस्त सुविधाओं को बहाल करने के लिए कार्य जारी रहा। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर हिमस्खलन हुआ, लेकिन जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, जनजातीय क्षेत्र पांगी घाटी में साच के पास जोध नाले में संत राम नाम का एक व्यक्ति गिर गया। नेगी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत से व्यक्ति को बचा लिया। उन्होंने बताया कि साच में एक सरकारी हेलीकॉप्टर भेजा गया और व्यक्ति को कुल्लू ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने तीन मार्च को राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी, चार मार्च को कई स्थानों पर मध्यम बारिश या बर्फबारी, पांच से आठ मार्च तक शुष्क मौसम का अनुमान जताया है। उत्तराखंड में भी पहाड़ों पर मौसम बिगड़ा हुआ है। बताया गया है कि ग्लेशियर फटने का खतरा बना हुआ है। चारों धाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में काफी बर्फबारी हुई है। चमोली के माणा में ग्लेशियर फटने की घटना में 8 मजदूर मारे गए हैं।

यूपी में हाइवे से लगी सभी शराब की दुकानें हटेंगी, बोर्ड के आकार भी छोटे किए जाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे एवं हाईवे से लगीं सभी शराब की दुकानों को हटाया जाएगा। इसके अलावा बड़े बड़े अक्षरों में लिखा शराब की दुकानो, को भी छोटा किया जाएगा। इस आशय के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बोर्ड बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में यह आदेश दिए।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें जाए।

सीएम योगी ने कहा कि ट्रासंपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। इससे भी दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। इसी के साथ सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि एक्सप्रेस-वे एवं हाइवे पर क्रेन, पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाएं। सीएम योगी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में यह देखने को मिलता है नाबालिक बच्चे ई रिक्शा चला रहे हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 किसी भी राज्य पर हिंदी को लागू नहीं करती : प्रधान

प्रधान ने स्पष्ट किया कि एनईपी मातृभाषा आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 किसी भी राज्य पर हिंदी को लागू नहीं करती है। उन्होंने साफ कर दिया कि इस नीति का तमिलनाडु की स्टालिन सरकार का विरोध राजनीति से प्रेरित था। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने स्पष्ट किया कि एनईपी मातृभाषा आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने बताया, हमारी सरकार ने एनईपी 2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। शिक्षा मूल भाषा में होगी। तमिलनाडु में, यह तमिल मूल भाषा होगी। केंद्रीय मंत्री प्रधान का

बयान तब आया है जब तमिलनाडु की स्टालिन सरकार एनईपी 2020 की तीन-भाषा नीति का विरोध कर रही है। राज्य ने क्षेत्रीय भाषाओं पर नीति के प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की है। प्रधान ने ऐसी चिंताओं को राजनीतिक बताकर खारिज किया। उन्होंने कहा, एनईपी 2020 हिंदी, तमिल, उड़िया और पंजाबी सहित सभी भाषाओं पर प्रकाश डालता है। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीतिक उद्देश्यों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं। इसके पहले दिन में, प्रधान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू कॉलेज के 126वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समारोह में बात की। उन्होंने त्रिभाषा नीति के महत्व और रोजगार और राष्ट्रीय एकता में इसके योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा, देश भर में तीन-भाषा फॉर्मूला अपनाया जाना चाहिए।

चीन की चालबाजी से परेशान ताइवान भी नागरिकता कानूनों को बना रहा सख्त

ताइपे (एजेंसी)। चीन की नीतियों के चलते ताइवान अपने नागरिकता कानूनों को कड़ा करने पर विचार कर रहा है। ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए नागरिकता पाने के वैकल्पिक रास्ते को खत्म करने और स्थायी निवास की पात्रता की शर्तों को सख्त करने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए आव्रजन कानूनों में बदलाव कर सकती है। इसका मकसद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को ताइवान में घुसपैठ करने से रोकना है। प्रस्तावित बदलावों के तहत चीन के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को ताइवान में स्थायी निवास पाने से पहले चार साल तक रहना होगा, जबकि अब यह समय एक साल है। इसके बाद वे स्थायी निवास प्राप्त करने के बाद ताइवान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, हांगकांग या मकाऊ के उन निवास आवेदकों की कड़ी जांच की जाएगी, जिन्होंने सीसीपी, चीनी सेना या चीनी सरकारी संस्थाओं के लिए काम किया है और उनके आवेदनों को संभवतः अस्वीकार किया जा सकता है। यह कदम ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनी सुधार का हिस्सा है। ताइवान, हांगकांग में बदलती स्थिति को देखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। 1997 के बाद से 2 मिलियन से ज्यादा चीनी लोग हांगकांग में बस चुके हैं। बता दें 1997 में ब्रिटन ने हांगकांग को चीन को सौंपा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीजिंग ने 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद हांगकांग की स्थिति को काफी बदल दिया और चीनी प्रभाव को बढ़ाया।

लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से अधिकारियों को समस्या की बढ़ी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और

अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके।

बिजनेस

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

इलेक्रामा ने इंडस्ट्री लीडरशिप प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) द्वारा आयोजित इलेक्रामा 2025 का 16वां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इसके साथ ही, उसकी इलेक्ट्रिकल और संबंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के प्रमुख वैश्विकमंच के तौर पर स्थिति मजबूत हुई है। 1,000 से अधिक एग्जिबिटर्स, 400,000 से अधिक बिजनेस विजिटर्स की मौजूदगी और अनुमानित 20 अरब डॉलर की बिज़नेस इनक्वायरीज़ के साथ इस संस्करण ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, जो इस आयोजन के बेहद व्यापक स्तर, प्रभाव और वैश्विक अपील का प्रमाण है। इलेक्रामा 2025 उद्योग जगत के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है, जिसमें प्रभावशाली बी2बी बैठकें, व्यावहारिक विचारशील लीडरशिप सेशन और रचनात्मक नीतिगत संवाद हुए। इसके जरिये वैश्विकऔर भारतीय दोनों हितधारक एकजुट हुए। इस कार्यक्रम के दौरान 15,000 से अधिक बी2बी बैठकों को सफलतापूर्वक आयोजन हुआ और इसने 80 देशों के 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया, जिससे वैश्विकइलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम तंत्र के भीतर एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हुई है।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत घटकर 3,88,068 इकाई रह गई। कंपनी ने पिछले साल फरवरी में 4,68,410 इकाइयां बेची थीं। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने डीलरों को घरेलू आपूर्ति 3,57,296 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 4,45,257 इकाई था। पिछले महीने निर्यात बढ़कर 30,772 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,153 इकाई था। कंपनी ने शादी के मौसम और नए उत्पादों की पेशकश के कारण आगामी महीनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सोमवार को 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.28 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बढ़कर खुला। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़ों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में कुछ सुधार के संकेत के कारण रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि शुक्रवार को जारी ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6.2 फीसदी बढ़ी है। ऐसे में विदेशी पूंजी की निकासी रुकने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हालांकि अमेरिकी शुल्क से पैदा हुई अस्थिरता जारी है, जिसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.36 पर खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले बढ़त के साथ 87.28 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे गिरकर 87.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की ताकत को दिखने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 फीसदी नीचे आकर 107.19 पर कारोबार कर रहा था।

पूंजी व कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश से भारत रहेगा सबसे आगे

सरकार की दमदार नीतियों से इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी : गोयल

मुंबई (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहाकि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ

के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई-रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 84,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 94,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 292 रुपये की तेजी के साथ 84,511 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 343 रुपये की तेजी के साथ 84,562 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 272 रुपये की तेजी के साथ 94,600 रुपये पर खुला। इस समय यह 434 रुपये की तेजी के साथ 94,762 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,872 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,848.50 डॉलर प्रति औंस था।

शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौर दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों के साथ विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 112.16 अंक करीब 0.15 फीसदी टूटकर 73,085.94 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 5.40 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 22,119.30 पर बंद हुआ। जानकारों के अनुसार वैश्विक स्तर पर अनिश्चताओं के कारण बाजार में कमजोरी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की टैरिफ लगाने की घोषणाओं से बाजार में संशय का माहौल है। इस

दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है। वहीं गत माह फरवरी में निवेशकों को 40 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले महीने में 40 लाख करोड़ रुपये घट गया। 31 जनवरी को बाजार बंद होने के बाद बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 424,99,887 करोड़ रुपये था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुई लेकिन ये कुछ समय बाद ही नीचे आने लगा। सुबह बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 73,427 अंक पर खुला। यह 73,649 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार शुरू होने के आधे घंटे के बाद यह लाल निशान में फिसल गया।

हायर ने कलरफुल किनोची एयर कंडीशन लांच किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार 16 वर्षों से दुनिया की नंबर 1 होम अप्लायंसेस ब्रांड हायर अप्लायंसेज इंडिया ने भारत में अपने नए किनोची एयर कंडीशनर (एसी) की कलरफुल रेंज लॉन्च की है, जिसने कूलिंग टेक्नोलॉजी में नया बेंचमार्क स्थापित किया है। यह एसी सिर्फ ठंडक ही नहीं देता, बल्कि मॉडर्न घरों की खूबसूरती को भी बढ़ाता है क्योंकि यह बेहतरीन डिजाइन और उन्नत परफॉर्मेंस का अनोखा मेल है। किनोची लिमिटेड एडिशन एसी (एसी) कटिंग-ऐज टेक्नोलॉजी और प्रीमियम कलरफुल फिनिश के साथ आते हैं, जिससे यह सिर्फ कूलिंग ही नहीं बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाते हैं। आज भारतीय ग्राहक डिजाइन को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं और ऐसे प्रोडक्ट्स की तलाश कर रहे हैं जो उनके लाइफस्टाइल से मेल खाते हों। इसे ध्यान में रखते हुए, हायर इंडिया ने इस खास रेंज को पेश किया है, जो फंक्शनलिटी और स्टाइल का बेहतरीन संयोजन प्रदान करती है। किनोची सीरीज तीन शानदार कलर्स- ब्लैक, मॉर्निंग मिस्ट और मूनस्टोन ग्रे में उपलब्ध है, जो किसी भी इंटीरियर के साथ आसानी से मेल खाती है। ये एसी (एसी) केवल हाई-परफॉर्मेंस कूलिंग का समाधान ही नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली को दर्शाने वाले स्टेटमेंट पीस भी हैं।

एथर एनर्जी ने अपनी आरएंडडी क्षमताएं बढ़ाईं

इस विस्तार से उत्पाद के विकास, टेस्टिंग और वैलिडेशन में तेजी भी आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी लिमिटेड ने बेगूर, बैंगलुरू में अपने प्रोडक्ट टेस्टिंग एवं वैलिडेशन सेंटर-द जगरनॉट में आरएंडडी और टेस्टिंग क्षमताओं का विस्तार किया है। इस विस्तार से एथर की आरएंडडी क्षमताएं मजबूत होंगी, जो कंपनी के स्कूटरों की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और परफॉर्मेंस सुनिश्चित करती हैं। इस विस्तार से उत्पाद के विकास, टेस्टिंग और वैलिडेशन में तेजी भी आएगी। 38,692 वर्गफीट में फैला यह सेंटर एथर स्कूटर, सिस्टम और कंपोनेंट्स की ड्यूरेबिलिटी और सुरक्षा को प्रमाणित करने के लिए डिज़ाईन किया गया है, जिनमें इसकी ऑन-रोड एन्ड्योरेंस भी शामिल है। इस सेंटर में ढांचागत ड्यूरेबिलिटी, बैटरी टेस्टिंग, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स रिलायबिलिटी, और वैहिकल एनवायरनमेंट टेस्टिंग के लिए समर्पित लैब्स हैं। एथर द्वारा हर चरण में कई परतों में टेस्टिंग और वैलिडेशन किया जाता है। इस सेंटर में सस्पेंशन फ्रेम्स जैसे सिस्टम्स की टारगेटेड टेस्टिंग के लिए एक 4 डीओएफ रोड साईमुलेटर/एमटीएस 334 रोड लोड साईमुलेटर शामिल है, जिससे अरली बग डिटेक्शन, तेजी से डिज़ाईन ऑप्टिमाईज़ेशन, और चेंज की कम लागत संभव होती है। एमटीएस 334 रोड लोड साईमुलेटर स्कूटर राईडिंग की वास्तविक परिस्थितियों को उत्पन्न करने में सक्षम है, और केवल 15 दिनों में 1,00,000 किलोमीटर का एन्ड्योरेंस टेस्ट पूरा कर लेता है। जो अगर वास्तविक सड़क पर किया जाए, तो इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 10 साल का समय लगता है। एक मल्टी-स्ट्रेस फैक्टर टेस्टिंग और टेस्ट केस के लिए फील्ड डेटा से फीडबैक लूप के साथ एथर का उद्देश्य अपनी वैलिडेशन की प्रक्रिया को निरंतर बेहतर बनाना है ताकि वास्तविक परिस्थितियों की परफॉर्मेंस में सुधार होता रहे। डेटा पर आधारित यह टेस्टिंग एक्युरेसी बढ़ाती है, और ग्राहक के हाथ में स्कूटर पहुँचने से पहले इंजीनियर्स को उसकी संभावित विफलताओं का अनुमान लगाकर उन्हें ठीक करने में समर्थ बनाती है।

कोका-कोला इंडिया व एसएलएमजी बेवरेजेस ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेस ने प्रयागराज महाकुंभ में सबसे बड़े चिल्ड ड्रिंक डिस्प्ले का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि लाखों श्रद्धालुओं को ताजगी देने और उद्योग में नए मानक स्थापित करने के उनके संकल्प को दर्शाती है। इस 250 फीट लंबी शानदार डिस्प्ले में 100 दरवाजों वाली कूलर वॉल बनाई गई, जिसमें 32,737 ठंडी ड्रिंक्स रखी गईं। यह अनूठा दृश्य महाकुंभ में आकर्षण का केंद्र बना। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त यह उपलब्धि कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेस की उत्कृष्टता, विशाल संचालन क्षमता और लाखों श्रद्धालुओं के लिए यादगार अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संदीप बजोरिया, वाइस प्रेसिडेंट, इंडिया ऑपरेशंस, कोका-कोला इंडिया ने कहा, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड जीतने वाली हमारी कूलर वॉल नवाचार और उत्कृष्टता का एक नया वैश्विकमानक स्थापित करती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएलएमजी बेवरेजेस ने कहा, हमारा लक्ष्य महाकुंभ में आने वाले करोड़ों लोगों को बेहतर हाइड्रेशन सुनिश्चित करना था। कोका-कोला इंडिया के साथ मिलकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना इस बात का प्रमाण है कि एसएलएमजी बड़े पैमाने पर शानदार कार्यान्वयन करने में सक्षम है और सभी को बेहतर गुणवत्ता वाले ड्रिंक्स उपलब्ध करवा रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अजेय चल रही भारतीय टीम के सामने आज होगी सबसे बड़ी चुनौती

इसी कंगारू टीम ने 2023 वनडे विश्वकप के फाइनल में भारत का विश्व विजेता बनने का सपना तोड़ा था

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अजेय चल रही भारतीय टीम के सामने मंगलवार को सबसे बड़ी चुनौती होगी। भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा जिसके खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट में उसका रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है। इसी कंगारू टीम ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत का विश्व विजेता बनने का सपना तोड़ा था और एक बार फिर रोहित शर्मा की सेना का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

भारत ग्रुप ए में अपने तीनों मैच जीतने में सफल रहा। भारतीय टीम ने सबसे पहले बांग्लादेश को हराया और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इसके बाद रविवार को आखिरी ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड पर जीत कर ग्रुप चरण का अंत शीर्ष पर रहकर किया। भारत ने तीनों ही मुकाबले में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना दम दिखाया और अब उसके और खिताब के बीच दो जीत का फासला रह गया है।

ऑस्ट्रेलिया है बड़ी चुनौती

ऑस्ट्रेलिया टीम में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे स्टार खिलाड़ी नहीं है, इसके बावजूद टीम मजबूत नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप चरण के पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में आईसीसी वनडे टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया था। पहले मैच से पूर्व लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया टीम कमजोर है, लेकिन जिस तरह से उसने इंग्लैंड को हराया, इसने यह साबित किया कि कंगारू टीम आईसीसी टूर्नामेंट में अलग लय में खेलती है। ऑस्ट्रेलिया का इसके बाद दोनों मैच बारिश में धुल गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच बिना एक भी गेंद खेले रद्द हुआ, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एक पारी पूरी हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए कंगारू टीम ने भी 12.5 ओवर खेल लिए थे। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया था जो सही साबित हुआ। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है। भारतीय टीम को चार स्पिनर उतारने का फायदा मिला क्योंकि न्यूजीलैंड के नौ विकेट स्पिनरों ने ही झटके।

हेड को रोकना जरूरी

भारत के लिए इस मैच में सबसे बड़ी चुनौती ट्रेविस हेड को रोकने की होगी। हेड का बल्ला भारत के खिलाफ जमकर चलता है, विशेषकर आईसीसी टूर्नामेंट में वह भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान करते हैं। यह वही हेड हैं जिन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और 2023 विश्व कप के फाइनल में शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी। हेड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 40 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाए थे जो दिखाता है वह फॉर्म में हैं।

संभावित प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव।

ऑस्ट्रेलिया : जैक फ्रेजर मैकर्गक, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, सीन एबॉट, नाथन एलिस, एडम जैम्पा, स्पेंसर जॉनसन।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा

हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही। साथ ही कहा कि हमें अपने बनाये स्कोर के बचाव का भरोसा था। उन्होंने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की सराहना करते हुए कहा कि उसके पास कुछ अलग है, हम देखना चाहते थे कि वह इन हालातों में क्या कर सकते हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

टीम इंडिया में जगह नहीं मिलने का कारण चयनकर्ता ही बता सकते हैं : करुण नायर

नागपुर (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाने वाले करुण नायर की लगातार उपेक्षा हुई है। करुण ने पिछले कुछ समय में विदर्भ की ओर से नौवां शतक लगाया है। इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। करुण ने अपने करियर की शुरुआत में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तिहरा शतक भी लगा था। वहीं जब करुण से टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका जवाब वह नहीं दे सकते। ये गेंद चयनकर्ता ही बता सकते हैं। नायर ने केरल के खिलाफ नाबाद 132 रनों की पारी खेली। नायर का यह मौजूदा रणजी सत्र में चौथा शतक है। उन्होंने अब तक 57.33 की औसत से 860 रन बनाए है। उसने इससे पहले विजय हजारे ट्रॉफी में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। उसने विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक और एक अर्धशतक की मदद से 389.50 की औसत से 779 रन बनाये थे। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह भारतीय टीम में अपनी वापसी को सभी प्रयास कर रहा है। साथ ही कहा कि मुझे जो भी अवसर मिल रहा है उसमें मुझे अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा। मुझे अपना काम सर्वश्रेष्ठ तरीके से करना है। भारत के लिए छह टेस्ट और दो एकदिवसीय खेल चुके इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं इस मैच से पहले इस बारे में बात कर रहा था कि मेरे नाम आठ शतक हैं, अगर मैं एक और बनाऊंगा तो मैं नौ अंक का इशारा करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं बस हमारे कुछ साइडआर्म थ्रोअर में शामिल यश थोराट से बात कर रहा था, जो हमेशा बल्लेबाजी और हर चीज में हमारी मदद करते हैं। मैंने उससे कहा कि अगर मैं शतक बनाऊंगा, तो मैं उसे नौ दिखाऊंगा।

मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवालकर का निधन

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। भारत के लिए कभी नहीं खेले पाने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में शामिल शिवालकर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया और 48 साल की उम्र तक खेलना जारी रखा। उन्होंने भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में 361 विकेट लिए जिसमें ग्यारह बार मैच में 10 विकेट लेना शामिल हैं। शिवालकर ने 12 लिस्ट ए मैचों 16 विकेट लिए है। उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा 2017 में सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ''मुंबई क्रिकेट ने आज एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। पद्माकर शिवालकर सर का खेल में योगदान, खासकर अब तक के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से एक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा मुंबई क्रिकेट पर उनका समर्पण, कौशल और प्रभाव अद्वितीय है। उनका निधन क्रिकेट जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी आत्मा को शांति मिले।

भारतीय स्पिनरों का सूखी पिच पर सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा : स्टीव स्मिथ

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने यहां की सूखी पिच पर स्पिनरों की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में उनकी टीम की किस्मत इस बात पर निर्भर करेगी कि वे भारतीय स्पिनरों का सामना कैसे करते हैं। भारतीय टीम ने रविवार को यहां ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में चार स्पिनरों का इस्तेमाल कर न्यूजीलैंड की मजबूत बल्लेबाजी इकाई को 205 रन पर आउट कर 44 रन से जीत दर्ज की। स्मिथ ने भारत के खिलाफ अंतिम-चार मैच की पूर्व संध्या पर सोमवार को कहा, मुझे लगता है कि सिर्फ (वरुण) चक्रवर्ती ही नहीं, बल्कि उनके बाकी स्पिनर भी कमाल के हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमारे लिए मैच का परिणाम शायद इस बात पर निर्भर करता है कि हम उनके स्पिनरों का सामना कैसे करते हैं। यह काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि गेंद को कुछ टर्न मिलेगी और हमें इसका मुकाबला करना होगा। हम देखेंगे कि किस तरह से स्पिनरों का सामना करते हैं।

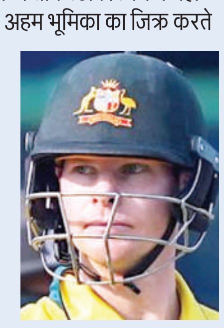

विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक नयी दिल्ली में आयोजित की जाएगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में 11 से 13 मार्च तक आयोजित होने वाली पहली विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में 20 से अधिक देशों के पैरा एथलीट भाग लेगें। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन दिनों तक चलने वाले आयोजन के 90 स्पर्धाओं में जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ब्राजील, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान जैसे देशों के खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। इस आयोजन में एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) के अध्यक्ष माजिद रशीद और एशियाई पैरालंपिक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तारेक सूई शामिल होंगे। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, ''भारत में ग्रां प्री की मेजबानी करना पैरा-खेलों के प्रति हमारे देश के समर्पण का प्रमाण है। यह आयोजन सिर्फ प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है। यह देश में भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए एक मिसाल कायम करने के बारे में है।

छह टीमों का महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर पाकिस्तान में

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान इस महीने के आखिर में छह टीमों के महिला एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की कि वे तारीखों और स्थान के लिये आईसीसी के संपर्क में हैं । छह टीमें पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड और वेस्टइंडीज हैं । अधिकारी ने बताया कि ये मैच कराची, मुल्तान और फैसलाबाद में हो सकते हैं क्योंकि पाकिस्तान सुपर लीग का दसवां सत्र भी 11 अप्रैल से शुरू हो रहा है ।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बोले- टीम के साथ हर पल का आनंद लेना चाहता हूं

विकेट गिरने पर गेंदबाज से ज्यादा उत्साहित हो जाते हैं कोहल, उन्होंने ने खुद दिया जवाब

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली क्रिकेट के मैदान पर अधिक आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं। कोहली बल्लेबाजी के अलावा फील्डिंग के दौरान भी कई बार ज्यादा ही उत्साहित हो जाते हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कई बार मीम्स भी बने हैं जिसमें दिखाया जाता है कि कोहली विकेट गिरने पर गेंदबाज से ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं। कोहली फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे हैं और उन्होंने इस बारे में जवाब दिया है कि वह मैदान पर इतने उत्साहित क्यों हो जाते हैं। कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड

के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली थी। यह कोहली के वनडे करियर का 300वां मुकाबला था। कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज हैं। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। दूसरे पायदान पर महेंद्र सिंह धोनी हैं जिन्होंने 347 वनडे में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राहुल द्रविड़ (340) तीसरे, मोहम्मद अजहरुद्दीन (334) चौथे, सौरव गांगुली (308) पांचवें और युवराज सिंह (301) छठे पायदान पर मौजूद हैं। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें कोहली से पूछा गया कि विकेट गिरने पर वह गेंदबाज से ज्यादा उत्साहित होकर जश्न क्यों मनाते हैं? इस पर कोहली ने कहा, मेरे लिए मैदान पर उतरकर खेलना हमेशा ही आनंद का विषय रहा है और आमतौर पर आप जीतने के लिए खेलने उतरते हो। मेरे लिए अगर विकेट गिर रहा है तो वह जीत के करीब बढ़ने का एक कदम है जो मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण चीज है।

कोहली ने कहा, टीम के खेल में आपको 10 अन्य खिलाड़ियों के साथ ही काफी मेहनत करनी होती है। मैं टीम के साथ हर पल का आनंद लेना चाहता हूं और जश्न मनाना चाहता हूं जो जीत हासिल करने में मदद करती है।

ब्रैडमैन के 99 के औसत का रिकार्ड आज तक भी बरकरार, टूटना असंभव

ब्रैडमैन ने 52 टेस्ट मैचों में 6 हजार से ज्यादा रन बनाये

सिडनी (एजेंसी)। विश्व क्रिकेट में नये-रिकार्ड बनते रहे हैं पर कुछ रिकार्ड ऐसे हैं जो शुरुआत से ही अभी तक कायम हैं और जिनके टूट टूटने की भी संभवना नहीं है।

विश्व के महानतम बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने अपने दो दशक के करियर में छाये रहे। उनका 99 के औसत का रिकार्ड आज तक भी बरकरार है और इसके करीब कोई भी बल्लेबाज नहीं पहुंचा है। ब्रैडमैन ने 52 टेस्ट मैचों में 6 हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। कोई भी ब्लेबाज आज तक इसके करीब नहीं पहुंचा है। ब्रैडमैन अपने करियर के अंतिम टेस्ट में शून्य पर ही आउ हो गये। इसी कारण वह 100 रनों का बल्लेबाजी औसत हासिल नहीं कर पाये। ब्रैडमैन के नाम टेस्ट क्रिकेट में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने का रिकार्ड दर्ज है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाये हैं। ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 37 टेस्ट में 19 शतक लगाये है। ये उपलब्धि किसी अन्य के नाम नहीं है। वहीं ब्रैडमैन ब्रैडमैन के बाद इस सूची में दूसरा नाम भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का है। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक लगाये थे। साल 1936-37 में सर डॉन ब्रैडमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में सबसे अधिक 810 रन बनाए थे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई घटनाओं से सभी को समझ आया भारतीय टीम पाक नहीं भेजने का कारण

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार की घटनाएं चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई हैं। उससे सभी को पता चल गया है कि भारतीय टीम को क्यों पाकिस्तान नहीं भेजा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सुरक्षा कारणों से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था, जिसके कारण भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेली रही है। वहीं अन्य टीमें अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेल रही हैं। गावस्कर ने कहा, इस टूर्नामेंट में भी, हमने देखा कि किस प्रकार एक नहीं दो मैचों में लोग सुरक्षा तोड़कर मैदान में घुसने में सफल रहे, जब मैच चल रहा था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के मैच के जो हुआ उसे देखकर कोई भी सरकार भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दे सकती थी। इस मैच में एक व्यक्ति ने न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को पकड़ लिया था। वहीं अफगानिस्तान और इंग्लैंड मैच में भी एक व्यक्ति खिलाड़ियों तक पहुंच गया था। वहीं जब गावस्कर ने पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ सीरीज खेलेगी तो उन्होंने कहा कि भारत-पाक सीमा पर जब तक शांति नहीं होती। ऐसी किसी सीरीज की संभावना नहीं है। गावस्कर ने कहा, यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखो, ठीक है, कोई घटना नहीं हुई है, तो चलो कम से कम बात करना शुरू करें।

आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे।

तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है। ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो प्रतिभाशाली हैं और शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं पर पंजाब किंग्स ने हमेशा मुझ पर भरोसा दिखाया है और मेरा समर्थन किया है हालांकि मैंने भी कड़ी मेहनत की है। शशांक को पंजाब किंग्स ने 2025 सत्र के लिए टीम में बनाये रखा है। शशांक ने कहा कि वह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसका कारण है कि मैंने उनके साथ जूनियर स्तर पर खेला है। हमने डीवाई पाटिल टी20 कप में एक साथ खेला था और हमारे बीच अच्छा समन्वय है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मैं पिछले साल इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा था और मुझे बरकरार रखा गया था।

अजिंक्य रहाणे बने कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को मिला उपकप्तानी का जिम्मा

पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल 2025 सीजन से पहले टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की है, जबकि ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे की अगुआई में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। श्रेयस इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे, ऐसे में केकेआर नए कप्तान के नेतृत्व में उतरेगी। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने सर्वाधिक मूल्य देकर खरीदा था और वह आगामी सीजन में रहाणे के साथ

मिलकर काम करेंगे। वेंकटेश लंबे समय से कोलकाता फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। गत चैंपियन केकेआर आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में होने वाले मैच से करेगी। कप्तान नियुक्त होने के बाद रहाणे ने कहा, केकेआर की कप्तानी करना सम्मान की बात है जो आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मेरे ख्याल से हमारी टीम संतुलित और शानदार है। मैं खिताब का बचाव करने की चुनौती के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। रहाणे दो साल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बिताने में बाद केकेआर में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने टी20 खिलाड़ी के तौर पर खुद को साबित किया है। रहाणे ने 2022 सीजन में केकेआर के लिए सात मैच खेले और 133 रन बनाए। मुंबई के इस अनुभवी बल्लेबाज के पास आईपीएल में कप्तानी करने का भी अनुभव है।

अपने जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण सर्वश्रेष्ठ हैं विराट : रिचर्ड्स

वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर कोहली की जमकर प्रशंसा की

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि अपने जुझारू जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण ही विराट सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। है। वह अपने आलोचकों को हमेशा ही अपने खेल से जवाब देते हैं। इंटरनेशनल मास्टर लीग (आईएमएल) की संचालन परिषद के सदस्य रिचर्ड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह वास्तव में हम सभी के सवालों का जवाब देता है। एकदिवसीय विश्व कप से पहले वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था पर उसने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया।

ये सभी उसके जुनून और जज्बे से हुआ है। उन्होंने कहा, 'इसलिए ही मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ और महानतम खिलाड़ी मानता हूं। आपको हर बार ऐसे खिलाड़ी नहीं मिलते जो फॉर्म में नहीं होने के बाद भी अच्छी वापसी कर सकें। उनका जुझारू जज्बा, ऊर्जा और अच्छा प्रदर्शन करने का जुनून उन्हें सबसे अलग बनाता है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक नए मानक की स्थापना करते हुए संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) ने अप्रैल 2025 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। यह संस्थान तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को नवीनतम उद्योग आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार कर रहा है। तकनीक की दुनिया लगातार बदल रही है। इसी बदलाव के अनुरूप एसएसआरजीएस पीने उन्नत पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। यहां ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी (पॉवर एंड कंट्रोल), एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन, नेटवर्किंग और सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स (मोबाइल डिवाइसेज और आईओटी इंटीग्रेशन), मेकाट्रॉनिक्स, मैकेनिकल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन इंजीनियरिंग जैसे आधुनिक कोर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रदेश के युवा तकनीकी रूप से सक्षम होकर आत्मनिर्भर बनें, यह सरकार की प्राथमिकता है। उद्योगों की बढ़ती मांग को देखते हुए एसएसआरजीएसपी में विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मप्र के प्रस्ताव को स्वीकृति

भोपाल। सचिव, आर्थिक सांख्यिकी ऋषि गर्ग ने बताया कि भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रुपये 1.23 करोड़ रूपए की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है। सचिव गर्ग ने बताया कि इस स्वीकृति के 3 प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी-एमपी) नीति सुधारों, रणनीतिक साझेदारियों और एक समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देकर महिला नेतृत्व वाले उद्यम विकास में तेजी आयेगी। मध्यप्रदेश राज्य डेटा एनालिसिस प्लेटफ़ॉर्म (एसडीएपी) को नीति आयोग के राष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म (एनडीएपी) के सहयोग से विकसित किया जायेगा। यह पहल साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने, कार्यक्रम अनुश्रवण में सुधार करने और संसाधनों के बेहतर आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय डेटासेट को एकीकृत करेगी। ग्रोथ-हब पहल (जी-हब) चिन्हित क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। जी-हब का लक्ष्य क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने वाले अनुरूप विकास रोडमैप तैयार करना है।

सड़कों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिये वाहन पोर्टल पर ग्रीन सर्विस शुरू

भोपाल। प्रदेश में सड़कों को प्रदूषण मुक्त बनाये रखने के लिये नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) के वाहन पोर्टल पर हरित सेवा (ग्रीन सर्विस) शुरू की गई है। जिसके माध्यम से वाहनों के रेट्रोफिटमेंट कराये जाने वाली सीएनजी किट के प्रमाणित होने की पुष्टि रहती है। वाहन पोर्टल का संचालन परिवहन विभाग द्वारा किया जा रहा है। राज्य में वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों पर नियंत्रण के लिये प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। प्रदेश में समस्त वाहन प्रदूषण जांच केन्द्रों को एनआईसी के पीयूसीसी पोर्टल के साथ इंटीग्रेट किया जाकर पारदर्शी रूप से ऑनलाइन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र जारी किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। ऑनलाइन पीयूसीसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट) जारी होने से उनका डेटा वाहन पोर्टल पर प्रदर्शित होने लगा है। इस सुविधा से चेकिंग अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र मांगे जाने पर वाहन स्वामी द्वारा ऑनलाइन अथवा इलेक्ट्रॉनिक रूप में दिखाया जा सकता है। प्रदेश में वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने का कार्य वाहन डीलर के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक करीब 7 लाख पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाई जा चुकी है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगने से वाहन चोरी की दशा में इसे ट्रेस किया जाना सरल हो जाता है। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अनफिट वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाये के प्रयास परिवहन विभाग द्वारा किये जा रहे हैं।

प्रदेश की हर विधानसभा में बनेगा खेल परिसर

सीएम ने किया 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। भोपाल के बड़े तालाब पर आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह स्पर्धा 7 मार्च तक चलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। रोइंग में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 9 पदक जीते, जो हमारे खेल कौशल और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से खेल और युवा प्रतिभाओं को नई ऊंचाइयां देने का कार्य किया जा रहा है। आज भोपाल की प्राकृतिक सुंदरता इस चैंपियनशिप की भव्यता को और बढ़ा रही है। यह आयोजन खेलों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल का यह नजारा इस गेम में चार चांद लगा रहा है। आप कई जगह गए होंगे लेकिन यहां की जैसी खूबसूरती कम ही जगह मिली होगी। पूरे देश से अलग-अलग प्रकार के खिलाड़ी आए हुए हैं। यहां आज लघु सिंहस्थ का नजारा दिखाई दे रहा है। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास

कैलाश सारंग ने कहा कि वॉटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में मध्य प्रदेश देशभर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि खेलों के विकास को लेकर प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है। पिछली सरकार के समय खेल बजट मात्र 6 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 600 करोड़ रुपये हो गया है।

सारंग ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 11 खेल अकादमियां संचालित हो रही हैं और खिलाड़ियों के लिए कई नई योजनाएं लाई जा रही हैं।

दक्षिण कोरिया का ईसीडीएस ग्रुप प्रदेश में मेडिकल डिवाइस सहित एविएशन और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में करेगा निवेशः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि साउथ कोरियन ज्वाइंट वेंचर ग्रुप प्रदेश में बने बेहतर औद्योगिक वातावरण को देखते हुए से मेडिकल उपकरणों, मेडिकल एआई, नैनो टेक्नोलॉजी, बायो पॉलीमर और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश का इच्छुक है। आज मंत्रालय में साउथ कोरिया के ईसीडीएस ग्रुप के निवेशकों और शोधार्थियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा में प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि उनका समूह उज्जैन के मेडिकल डिवाइस पार्क में शोध और निर्माण पर केंद्रित इकाई स्थापना की दिशा में पहल कर रहा है। इस इकाई में यूरिन परीक्षण से कैंसर के लक्षणों की पहचान करने के लिए किट निर्मित करने की योजना है। इससे प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान कर तत्काल इलाज आरंभ करने में मदद मिलेगी। समूह प्रदेश में एविएशन सेमीकंडक्टर आदि क्षेत्र में भी निवेश का इच्छुक है। इसके साथ ही समूह ने कौशल उन्नयन के लिए तकनीक और विशेषज्ञता साझा करने में भी रुचि दिखाई।

रेडक्रॉस के सेवा संकल्प को पीड़ित मानवता की सेवा में करे साकार : राज्यपाल

राज्यपाल की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश शाखा की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस मानव सेवा का सशक्त प्रकल्प है। सदस्य, रेडक्रॉस के सेवा संकल्पों को पीड़ित मानवता की सेवा कार्यों में साकार करे। राज्यपाल पटेल रेडक्रॉस की मध्यप्रदेश शाखा की वार्षिक साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रेडक्रॉस की विभिन्न इकाइयों को पुरस्कृत किया।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि जिला इकाइयाँ रेडक्रॉस शाखा की पुरस्कृत इकाइयों से पीड़ितों की सेवा के बेहतर कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा ले। इकाइयों से सकारात्मकता के साथ परस्पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करे। सेवा कार्यों का आदर्श प्रस्तुत करे। राज्य शाखा द्वारा प्राप्त निर्देशों और लक्ष्यों का एकनिष्ठता के साथ समय सीमा में पालन करे।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को आगे बढ़ाने में रेडक्रॉस की भूमिका महत्वपूर्ण है। सिकल सेल की जागरूकता, जांच और उपचार के कार्यक्रमों को ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक आयोजित करे। चिन्हित मरीजों का इलाज संवेदनशीलता के साथ करे। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की है कि सिकल सेल से प्रभावित बच्चों और परिवारों की मदद के व्यक्तिगत प्रयास जरूर करें।

राज्यपाल पटेल का पुष्प-गुच्छ से स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। रेडक्रॉस राज्य शाखा के चेयरमेन डॉ. गगन कोल्हे ने स्वागत उद्बोधन और मध्यप्रदेश रेडक्रॉस शाखा की 2023-24 का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया।

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन

भोपाल। मार्च माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदे-मातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय दुबे, सचिव अनिल सुचारी सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

वन्य-जीव संरक्षण एवं वनों में आग न लगने के उद्देश्य से जागरूकता-सह-साइकिल रैली

भोपाल। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में विश्व वन्य-जीव दिवस के अवसर पर वन्य-जीव संरक्षण और वनों में आग न लगने के उद्देश्य से जागरूकता-सह-साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली का नेतृत्व बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम शाह एवं उप संचालक श्री प्रकाश कुमार वर्मा ने किया।

जागरूकता रैली में विभिन्न परिक्षेत्रों के अधिकारी-कर्मचारी एवं सुरक्षा श्रमिक शामिल हुए। कार्यक्रम में जिप्सी यूनियन, गाइड यूनियन एवं होटल यूनियन के प्रतिनिधियों द्वारा भी सहयोग किया गया। विशेष रूप से अरण्यक रिसोर्ट द्वारा रैली के लिये साइकिल

उपलब्ध कराई गयी। उप संचालक बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व श्री प्रकाश वर्मा ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर परिक्षेत्रों के विभिन्न गाँवों के लिये रवाना किया। रैली में सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा भी साइकिल चलाकर वन्य-प्राणियों के प्रति जागरूकता और वनों में आग न लगने का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से जीरो फायर मिशन 2.0 का भी शुभारंभ किया गया।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में मनाया गया विश्व श्रवण दिवस

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में मनाया गया विश्व श्रवण दिवस

भोपाल। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में श्रवण रोग जांच, परामर्श, उपचार एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।जिनमें कानों की देखभाल, सफाई, श्रवण बाधिता की पहचान के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों,उप स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एंड वैलनेस केंद्रों, संजीवनी केंद्रों पर श्रवण जांच एवं परामर्श शिविरों का आयोजन किया गया। जिला जयप्रकाश चिकित्सालय में श्रवण जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही श्रवण संबंधी समस्याओं की स्क्रीनिंग के लिए विशेष शिविर लगाया गया।

शिविर में वरिष्ठ नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा पटेल द्वारा 63 लोगों की श्रवण जांच की गई। इनमें से 3 लोगों को सर्जरी के लिए चिह्नित किया गया है। जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में श्रवण बाधित बच्चों की ऑडियोमेट्री एवं बेरा टेस्ट करवाया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक सहभागिता से जागरूकता रैलियों, कान की सफाई के संबंध में निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई।राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आरबीएसके दल द्वारा स्कूलों में जाकर श्रवण संबंधी परीक्षण एवं परामर्श सत्र आयोजित किए गए। स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित परामर्श एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों में बताया कि कान में पिन, तेल, पेंसिल, इयरबड जैसी चीज नहीं डालना चाहिए। इससे कान के परदे में संक्रमण होने और पर्दा फटने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कान में दर्द रिसाव या मवाद आने पर, सुनाई ना देने, स्पष्ट सुनाई देने पर चिकित्सक अथवा स्वास्थ संस्था में परामर्श लेना चाहिए। श्रवण संबंधी समस्या उपचार में चिकित्सकीय इंटरवेंशन, हियरिंग एड सर्जिकल सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

सीईओ श्रीमती तिवारी ने किया बैरसिया की पंचायतों का निरीक्षण

गौशालाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, संबंधितों को दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने सोमवार को ईंटखेड़ी सड़क स्थित एमआरएफ सेंटर के साथ-साथ विकासखंड बैरसिया की विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर विभागीय कार्यों प्रगति का जायजा लिया। सबसे पहले एमआरएफ सेंटर पहुँच कर सीईओ ने कचरा प्रबंधन एवं रीसायकल प्रोसेस की निरंतरता बनाये रखने एवं प्लास्टिक वेस्ट को विक्रय किये जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

तत्पश्चात बैरसिया विकासखंड की ग्राम पंचायत रुनाहा, बर्रीछिरखेड़ा, हर्राखेड़ा में क्रमशः गौशाला, प्रधानमंत्री आवास एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौवंशों के लिए शेड निर्माण, चारागाह, पानी आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। हर्राखेड़ा में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निर्मित स्लिट चैंबर के कार्यों को देखकर सीईओ ने प्रशंसा व्यक्त की।

साथ ही सीसी रोड निर्माण कार्य को लेकर भी क्षतिग्रस्त रोड को पुनः निर्मित किये जाने की कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। एनआरएलएम के प्रशिक्षण केंद्र के भ्रमण के दौरान सीईओ ने परिसर में नवग्रह पोषण वाटिका का निर्माण करने के लिए सीईओ बैरसिया को निर्देशित किया।

बर्रीछिरखेड़ा की गौशाला की करी प्रशंसा

सामाजिक संस्था के सहयोग से संचालित की जा रही बर्रीछिरखेड़ा स्थित गौशाला के भ्रमण के दौरान वहां की व्यवस्थाएं देखकर सीईओ ने प्रशंसा की। गौशाला में गौवंशों के लिए भूसा, पानी एवं चिकित्सक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था थी।

मूक-बधिरों की आवाज बनेंगे पुलिसकर्मी, सहायता हेतु जारी किया हेल्पलाईन नंबर

हेल्पलाइन नंबर 7587628293 का शुभारंभ किया

भोपाल। कमिश्नरेट नगरीय पुलिस भोपाल के द्वारा मूक-बधिरों की सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर 7587628293 का शुभारंभ किया गया - जिसके तहत एक व्हाट्सएप नंबर मूक-बधिरों हेतु चालू किया गया है, जिसमें मूक-बधिरों से संबंधित शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जावेगा।

इस संबंध में नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त ऊर्जाडेस्क प्रभारी एवं बाल कल्याण अधिकारियों के साथ-साथ उनके सहायकों को भी प्रशिक्षित किया गया है, जिनकी संख्या लगभग 40 है। उक्त नंबर पर आए किसी भी मूक-बधिर के द्वारा अथवा मूक-बधिरों के संबंध में व्हाट्सएप कॉल अथवा मैसेज या साधारण कॉल आता है तो तत्काल उसे क्षेत्र से संबंधित थाने के द्वारा उन्हें सहायता प्रदान की जाएगी,साथ ही जरूरत पड़ने पर डीप केयर फाउंडेशन से भी सहायता ली जावेगी।

इस अवसर पर में पुलिस आयुक्त हरीनारायणचारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्रीमती श्रद्धा तिवारी व एडिशनल डीसीपी मुख्यालय महिला सुरक्षा श्रीमती नीतू ठाकुर, एसीपी महिला सुरक्षा निधि सक्सेना एवं डीप केयर फाउंडेशन की प्रमुख श्रीमती प्रीती सोनी अपने टीम के साथ उपस्थित रहीं ।

अंगदान जागरूकता के लिए डॉक्टर्स की कार रैली 9 मार्च को

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति भोपाल एवं किरण फाउंडेशन के सहयोग से 9 मार्च को कार रैली आयोजित की जा रही है। कार रैली के माध्यम से अंगदान के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मक माहौल निर्माण किया जाएगा। चिकित्सकों ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत ये सकारात्मक पहल की है। कार रैली 9 मार्च को प्रातः 10 :30 बजे अटल पथ से प्रारंभ होकर गांधी मेडिकल कॉलेज में समाप्त होगी। अंगदान की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर जनजागरूकता के साथ - साथ पंजीयन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा अंगदान को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री द्वारा भी अंगदान एवं देहदान की पंजीयन प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं सरल करने के साथ इन परिवारों को सम्मानित भी किया जा रहा है।

16वें वित्त आयोग की बैठक भोपाल में 4 से 7 मार्च तक

वित्तीय संसाधनों के आवंटन पर होगी चर्चा

भोपाल। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगिढया के नेतृत्व में पांच सदस्यीय दल 4 मार्च को महत्वपूर्ण बैठकों के लिए भोपाल पहुंच रहा है। वित्त आयोग इस अवधि में भोपाल के अलावा राज्य के अन्य जगहों पर दौरे करेगा। वित्त आयोग के दौरे का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच करों के वितरण, अनुदान सहायता (ग्रांट्स-इन-ऐड) के निर्धारण और राज्यों के बीच संसाधनों के उचित आवंटन से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श करना है। वित्त आयोग की अनुशंसा एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक पाँच वर्ष के लिए होगी। राज्य में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों, पंचायत एवं नगरीय निकायों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। बैठकों में बढ़ी हुई कर हस्तांतरण (डेवोल्युशन) की दर के राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव और राज्य के व्यय स्वरूप में हुए परिवर्तन पर चर्चा की जाएगी। वित्त आयोग मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा भी करेगा और राज्य में चल रही वित्तीय योजनाओं, विकास कार्यों और नीतियों के प्रभाव का प्रत्यक्ष आंकलन करेगा। इस दौरान आयोग विभागीय अधिकारियों से विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर जानकारी लेगा और उनसे सुझाव भी मांगेगा। 16वें वित्त आयोग की यह बैठक मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और राज्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करने में सहायक होगी। इसके माध्यम से राज्य को भविष्य में मिलने वाले वित्तीय संसाधनों की रूपरेखा तय की जाएगी, जिससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिलेगी। भोपाल में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक से राज्य सरकार को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं और विकास योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।